दैनिक

करंट क्राइम

www.currentcrime.com

सिर्फ सच...

दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। रविवार 12 अप्रैल -2026 ● वर्ष : 11 अंक : 109 पेज-08 ● RNI NO. DELHI/2015/65364 ● मूल्य : ₹3

शहरवासियों को हाउस टैक्स में बड़ी राहत, 10 से 15% ही बढ़ोत्तरी

हाउस टैक्स दरों पर शासन का आदेश, 1 अप्रैल 2024 से लागू होंगी संशोधित दरें

खुशखबरी! हाउस टैक्स में छूट की झड़ी से जनता को मिलेगा सीधा लाभ

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम के हाउस टैक्स को लेकर लंबे समय से चल रही असमंजस की स्थिति पर आखिरकार विराम लग गया है। नगर निगम द्वारा घोषित नई दरों और छूटों ने शहरवासियों को बड़ी राहत दी है। महापौर सुनीता दयाल, विधायक अजीत पाल त्यागी और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक की मौजूदगी में हुई प्रेसवार्ता में स्पष्ट किया गया कि 1 अप्रैल 2024 से लागू नई दरों के बावजूद आम नागरिक पर टैक्स का बोझ सीमित रखा गया है। सबसे बड़ी राहत यह है कि तमाम छूटों के बाद आवासीय भवनों पर हाउस टैक्स में केवल 10 से 15 प्रतिशत की ही बढ़ोत्तरी होगी।

यह फैसला सीधे तौर पर जनता को राहत देने और बढ़ते असंतोष को कम करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसके पीछे प्रदेश सरकार और खासतौर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा साफ दिखाई देती है, जो शहरी करदाताओं को राहत देकर विकास और संतुलन दोनों साधना चाहते हैं।

बकायदारों और पहले भुगतान करने वालों को मिलेगी राहत

करंट क्राइम : तीन महीने तक बकाया टैक्स पर 12% ब्याज नहीं लगेगा, जो लोग पहले ही बढ़ी दरों पर टैक्स जमा कर चुके हैं, उनका पैसा अगले 3 साल में समायोजित किया जाएगा। यह निर्णय खास तौर पर उन करदाताओं के लिए राहत लेकर आया है, जो पहले ही भुगतान कर चुके थे और खुद को नुकसान में महसूस कर रहे थे। अब उन्हें आने वाले वर्षों में कम टैक्स देना होगा।

जनप्रतिनिधियों को क्यों मिली राजनीतिक बढ़त

करंट क्राइम : नगर निगम के इस फैसले से जनप्रतिनिधियों को भी बड़ी राहत मिली है। पिछले कुछ समय से बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर जनता में नाराजगी थी। ऐसे में महापौर और स्थानीय विधायक जनता के बीच सकारात्मक संदेश देने में सफल रहे। वहीं इससे नगर निगम की छवि सुधारने में मदद मिलेगी। कहा जा रहा है कि आगामी चुनावों के लिहाज से यह फैसला पब्लिक फ्रेंडली माना जा रहा है। विधायक अजीत पाल त्यागी ने प्रेस वार्ता में जनता से अपील भी की कि वे इन छूटों का लाभ उठाकर समय पर टैक्स जमा करें, जिससे शहर के विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके।

सीएम योगी के फैसले ने किया सबका भला

करंट क्राइम : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नीति में विकास के साथ राहत का संतुलन प्रमुख रहा है। इस फैसले के पीछे कई अहम कारण माने जा रहे हैं, शहरी क्षेत्रों में बढ़ते टैक्स के विरोध को शांत करना भी था। तो कर संग्रह बढ़ाना, लेकिन जनता पर बोझ कम रखना। डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देना (ऑनलाइन छूट के जरिए), स्वच्छता अभियान को मजबूत करना (कूड़ा पृथक्करण पर छूट) तो स्थानीय निकायों की आय बनाए रखते हुए जनसंतोष कायम रखना, यह कदम राज्य सरकार की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसमें विकास कार्यों के लिए संसाधन भी जुटाए जाएं और जनता को राहत भी दी जाए। इस फैसले का असर सिर्फ टैक्स तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शहर के समग्र विकास से भी जुड़ा हुआ है। नगर निगम को उम्मीद है कि छूट मिलने के बाद अधिक लोग स्वेच्छा से हाउस टैक्स जमा करेंगे, जिससे राजस्व बढ़ेगा और विकास कार्यों को गति मिलेगी। इसके अलावा, कूड़ा पृथक्करण पर 10% की छूट एक बड़ा सामाजिक संदेश भी देती है। इससे स्वच्छता अभियान को मजबूती मिलेगी और गाजियाबाद को साफ-सुथरा शहर बनाने में मदद मिलेगी।

जनता को क्या मिला सीधा फायदा

- हाउस टैक्स में केवल 10 से15% की सीमित बढ़ोत्तरी।
- 10 साल तक पुराने भवन पर 25% छूट।
- 10से20 साल पुराने भवन पर 32.5% छूट।
- 20 साल से अधिक पुराने भवन पर 40% छूट।
- ऑनलाइन भुगतान पर 2% अतिरिक्त छूट।
- कूड़ा पृथक्करण करने पर 10% की अतिरिक्त छूट।
- 3 महीने तक 12% ब्याज पूरी तरह माफ।

इन फैसलों से साफ है कि नगर निगम ने आम मध्यमवर्गीय परिवारों को राहत देने पर विशेष ध्यान दिया है। खासतौर पर पुराने मकानों में रहने वाले लोगों को बड़ी छूट देकर आर्थिक दबाव कम किया गया है।

हाउस टैक्स वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबसे पहले पहुंचे थे विधायक अजीत पाल त्यागी

करंट क्राइम : शनिवार को नगर निगम के कार्यकारिणी कक्ष में हाउस टैक्स को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का समय लगभग 11:30 बजे रखा गया था लेकिन विधायक अजीत पाल त्यागी सबसे पहले आए और वह 11:00 ही आ गए थे। उनके बाद लगभग 11:15 बजे के आसपास महापौर सुनीता दयाल पहुंची। फिर वैशाली से पार्षद गौरव सोलंकी और नामित पार्षद अंकुर अरोरा भी पहुंच गए थे लेकिन प्रेसवार्ता शुरू होने से पहले पार्षद बाहर आ गए थे।

जब महापौर ने दो बार पूछा कहां हैं नगर आयुक्त

करंट क्राइम : 11:30 बजे से नगर निगम की ओर से महत्वपूर्ण प्रेस कॉन्फ्रेंस होनी थी, विषय हाउस टैक्स को लेकर था। इसको लेकर महापौर की चिंता और उत्सुकता नजर आ रही थी। बताया जा रहा है की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले करीब दो बार नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक कहां है ऐसा महापौर ने नगर निगम के अधीनस्थों से जानने का प्रयास किया। बताया गया कि वह एक प्रेजेंटेशन बना रहे हैं और पीपीटी तैयार करने के बाद वह प्रेस कॉन्फ्रेंस वाले कक्ष में पहुंच गए थे।

सुनील शर्मा, अतुल गर्ग और संजीव शर्मा नहीं रहे मौजूद

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल शनिवार को नगर निगम में जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में हाउस टैक्स में छूट और बढ़ोत्तरी वापस लेने के फैसले की जानकारी देने के लिए पहुंची थी। इस दौरान उनके साथ केवल अजीत पाल त्यागी मौजूद थे, इस पर महापौर ने हल्के अंदाज में कहा कि हाथी के पांव में सबका पांव मौजूद है। तो वही जानकारी यह दी जा रही है कि उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री और साहिबाबाद से विधायक सुनील शर्मा किसी सरकारी कार्यक्रम के चलते आजमगढ़ में मौजूद थे। तो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर रील बनाकर इस बड़े फैसले के लिए सरकार, मंत्री और जनता को बधाई दी है। वहीं अतुल गर्ग सांसद गाजियाबाद बंगाल के दौरे और चुनाव कार्यक्रम में थे। तो बताया जा रहा है कि शहर विधायक संजीव शर्मा भी किसी कार्यक्रम में मध्य प्रदेश गए हुए थे।

15 अप्रैल तक टैक्स सॉफ्टवेयर हो जाएगा अपग्रेड

करंट क्राइम : नगर निगम की ओर से टैक्स में छूट मिलने की घोषणा होने के बाद अब टैक्स जमा करने के बाद लोगों को क्या लाभ मिलेगा, यह देखना दिलचस्प रहेगा। उधर नगर निगम के अधिकारियों और महापौर ने जानकारी दी है कि जो यह हाउस टैक्स को लेकर तब्दीली और बदलाव वाला शासनादेश आया है, इसके मुताबिक जल्द ही सॉफ्टवेयर अपडेट हो जाएगा और यह 15 अप्रैल से वर्किंग में शुरू हो जाएगा।

महापौर का फोकस जनता, नगर आयुक्त का संतुलन पर जोर

करंट क्राइम : गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर घोषित नई दरों और छूटों के पीछे सिर्फ आर्थिक गणित नहीं, बल्कि एक स्पष्ट प्रशासनिक और राजनीतिक रणनीति भी नजर आ रहा है। नगर निगम की हालिया प्रेसवार्ता के बाद यह साफ हो गया है कि इस पूरे फैसले में महापौर और नगर आयुक्त—दोनों की सोच अलग होते हुए भी एक संतुलित दिशा में काम कर रही है। महापौर सुनीता दयाल का रुख पूरी तरह जनता को राहत देने वाला दिखाई देता है। पुराने भवनों पर 25% से लेकर 40% तक की छूट जारी रखना, ऑनलाइन भुगतान पर अतिरिक्त लाभ और कूड़ा पृथक्करण को प्रोत्साहित करने के लिए 10% की छूट देना—ये सभी कदम सीधे तौर पर आम नागरिक को राहत देने के उद्देश्य से उठाए गए हैं। साथ ही तीन महीने तक 12% ब्याज माफी का निर्णय यह दशार्ता है कि नगर निगम ने बकायेदारों को भी राहत देने की कोशिश की है। माना जा रहा है कि बढ़े हुए टैक्स को लेकर शहर में जो असंतोष बन रहा था, उसे कम करने के लिए महापौर ने यह नरम रुख अपनाया। वहीं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक का नजरिया पूरी तरह प्रशासनिक और वित्तीय संतुलन पर केंद्रित रहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि तमाम छूटों के बाद वास्तविक बढ़ोत्तरी केवल 10 से 15 प्रतिशत तक सीमित रहेगी, जबकि बिना छूट के यह 20 प्रतिशत तक जा सकती थी। इसके साथ ही पहले से टैक्स जमा कर चुके करदाताओं को तीन वर्षों में समायोजन देने की व्यवस्था यह दिखाती है कि निगम वित्तीय अनुशासन बनाए रखते हुए जनता का भरोसा भी कायम रखना चाहता है। नगर आयुक्त ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने और कर संग्रह को बेहतर बनाने पर भी जोर दिया, जिससे नगर निगम की आय में स्थिरता बनी रहे।

उनका फोकस साफ तौर पर यह रहा कि राजस्व प्रभावित न हो और विकास कार्यों के लिए जरूरी संसाधन लगातार मिलते रहें। विशेषज्ञों की मानें तो यह पूरा फैसला मिडिल पाथ का उदाहरण है, जहां एक तरफ टैक्स में बढ़ोतरी को लागू किया गया है, वहीं दूसरी ओर छूट और राहत के जरिए उसे जनता के लिए स्वीकार्य बनाया गया है। कुल मिलाकर देखा जाए तो महापौर का झुकाव जहां जनता को राहत और राजनीतिक संतुलन बनाने की ओर रहा, वहीं नगर आयुक्त ने प्रशासनिक मजबूती और राजस्व संतुलन को प्राथमिकता दी। दोनों के इस समन्वय ने हाउस टैक्स के मुद्दे को टकराव की बजाय समाधान की दिशा में मोड़ दिया है। अब नजर इस बात पर रहेगी कि शहर के कितने करदाता इन छूटों का लाभ उठाते हैं और क्या इससे नगर निगम के राजस्व में अपेक्षित बढ़ोतरी हो पाती है। फिलहाल इतना तय है कि यह फैसला गाजियाबाद में राहत और संतुलन की नई मिसाल के तौर पर देखा जा रहा है।

महापौर और विधायक ने किया योगी आदित्यनाथ और नगर विकास मंत्री का धन्यवाद

करंट क्राइम : महापौर सुनीता दयाल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रही थी, तो उन्होंने घोषणा होने से पहले ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मंत्री एके शर्मा का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा इसमें जनप्रतिनिधियों से लेकर निगम की मेहनत है। हम जनता पर अतिरिक्त बोझ नहीं डालना चाहते थे, तो जब मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ,महापौर और जनप्रतिनिधियों का धन्यवाद अदा किया, तो महापौर ने ताली और टेबल बजाकर अभिनंदन भी किया।

कुछ ऐसा बनेगा टैक्स का कैलकुलेशन

करंट क्राइम : गाजियाबाद में हाउस टैक्स को लेकर चल रहे विवाद और असमंजस के बीच उत्तर प्रदेश शासन ने बड़ा फैसला लिया है। शासन की ओर से जारी आदेश में नगर निगम गाजियाबाद की सीमा के भीतर मासिक संपत्ति कर (हाउस टैक्स) की बढ़ी हुई दरों पर पुनर्विचार करते हुए संशोधित दरें लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आदेश विशेष सचिव सत्य प्रकाश पटेल द्वारा 10 अप्रैल 2026 को जारी किया गया। आदेश में नगर आयुक्त को संबोधित करते हुए कहा गया है कि पूर्व में गठित समिति की संस्तुतियों के आधार पर बढ़ी हुई दरों को कम करते हुए संतुलित दरें लागू की जाएं। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि ये संशोधित दरें 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी मानी जाएंगी। जारी पत्र के अनुसार, हाउस टैक्स की दरें अब सड़क की चौड़ाई, भवन के प्रकार और क्षेत्र की श्रेणी के आधार पर तय होंगी। इसमें 24 मीटर से अधिक, 12 से 24 मीटर और 12 मीटर से कम चौड़ी सड़कों के अनुसार अलग-अलग दरें निर्धारित की गई हैं। वहीं भवनों को फउउ/पक्का, अन्य पक्का और कच्चा श्रेणियों में बांटकर टैक्स तय किया जाएगा। इसके अलावा शहर को अ, इ और उ श्रेणियों में विभाजित कर दरों में अंतर रखा गया है। शासन ने यह भी निर्देश दिया है कि उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 206(2) के तहत संशोधित दरों को नियमानुसार लागू किया जाए और इसकी कार्यवाही से शासन को अवगत कराया जाए। माना जा रहा है कि यह फैसला बढ़े हुए हाउस टैक्स को लेकर जनता में बढ़ते असंतोष को देखते हुए लिया गया है। नई दरों के लागू होने से आम नागरिकों को राहत मिलने की उम्मीद है और नगर निगम व करदाताओं के बीच चल रही खींचतान भी कम हो सकती है। अब नजर इस बात पर है कि नगर निगम इन निर्देशों को कितनी तेजी से लागू करता है और इसका शहर के करदाताओं पर क्या प्रभाव पड़ता है।

'जनता के हित में लिया गया बड़ा निर्णय'

योगी जी जनता का दर्द समझते हैं इसलिए हैं सर्वश्रेष्ठ सीएम : अशु वर्मा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : गाजियाबाद में हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी वापस लेने के फैसले का स्वागत करते हुए पूर्व मेयर अशु वर्मा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि योगी जी जनता का दर्द समझते हैं, इसलिए वह सर्वश्रेष्ठ मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने नगर निगम गाजियाबाद के इस फैसले को जनहित में बताया और कहा कि इससे आम लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। साथ ही उन्होंने उल्लेख किया कि अशु वर्मा ने हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी के खिलाफ लगातार आवाज उठाई और इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। अशु वर्मा ने कहा कि महापौर द्वारा लगातार किए गए प्रयासों और जनहित की लड़ाई का ही परिणाम है कि प्रशासन को बढ़ोत्तरी वापस लेने का निर्णय करना पड़ा। उन्होंने इस फैसले के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि प्रदेश सरकार जनता की भावनाओं के अनुरूप काम कर रही है। अशु वर्मा ने बढ़ा हुआ टैक्स भी जमा किया था। साथ ही वे हाउस टैक्स के मुद्दे को लेकर सोशल मीडिया पर बेबाकी से सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने आम जनता की फिक्र से लेकर भारतीय जनता पार्टी के वोटरों की चिंता को खुलकर जाहिर भी किया था।

हाउस टैक्स राहत पर विवाद गहराया

पार्षद राजेंद्र त्यागी ने उठाए गंभीर सवाल, आंदोलन की दी चेतावनी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर निगम द्वारा हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी वापस लेने और राहत देने के दावों के बीच अब इस पूरे मामले पर सियासी और जनप्रतिनिधि स्तर पर विवाद तेज हो गया है। पार्षद राजेंद्र त्यागी ने निगम प्रशासन के फैसले को भ्रामक बताते हुए आरोप लगाया है कि जनता को राहत के नाम पर गुमराह किया जा रहा है और वास्तविकता में टैक्स वसूली अब भी ऊंची दरों पर जारी है। उनके अनुसार, 31 मार्च 2025 तक हाउस टैक्स की दरें 12 मीटर तक .96 पैसे, 21 से 24 मीटर तक, 1.26 पैसे और 24 मीटर से अधिक पर 1.45 प्रति यूनिट थीं। उनका दावा है कि बाद में इन दरों में भारी बढ़ोत्तरी करते हुए इन्हें 3.50, 3.70 और 4 रूपयो तक पहुंचा दिया गया, जो कई मामलों में 300 से 400 गुना तक वृद्धि के बराबर है। इसी के विरोध में उन्हें और अन्य पूर्व पार्षदों को मामला हाई कोर्ट तक ले जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि भले ही अब नगर निगम द्वारा संशोधित दरें लागू करने की बात कही जा रही है, लेकिन वास्तविक राहत बेहद सीमित है। नई गणना के अनुसार 4 रूपये की दर को घटाकर 3.40, 3.75 को 2.98 और 3.50 को 2.55 किया गया है, जिसे उन्होंने ढाई गुना तक की वसूली बताते हुए अस्वीकार्य करार दिया। पार्षद ने महापौर और नगर आयुक्त के बयानों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि लखनऊ से लौटने के बाद महापौर ने सार्वजनिक रूप से हाउस टैक्स न बढ़ने की बात कही थी, जबकि जमीनी हकीकत इसके उलट है। नगर आयुक्त के आंकड़ों को भी उन्होंने संदेहास्पद बताया। पूर्व पार्षद राजेंद्र त्यागी ने यह भी आरोप लगाया कि योगी आदित्यनाथ द्वारा हाउस टैक्स बढ़ोत्तरी को गलत सर्वे के आधार पर वापस लेने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, लेकिन उनके निदेर्शों का भी पूर्ण रूप से पालन नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस मुद्दे पर पारदर्शी और न्यायसंगत निर्णय नहीं लिया गया, तो वे जनता के साथ सड़कों पर उतरकर बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे। बढ़े हुए हाउस टैक्स के फैसले का किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जाएगा, इसके लिए जल्द आवाज भी उठाई जाएगी।

सरकार ने 'देर आए - दुरुस्त आए' वाली कहावत को चरितार्थ किया : इन्द्रजीत सिंह टीटू

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से टैक्स बढ़ोत्तरी वापस लिए जाने का पुरजोर स्वागत किया गया है। मेरठ मंडल अर्बन कमेटी के प्रभारी और अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह टीटू ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विभागीय मंत्री और महापौर सुनीता दयाल का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कहा, गाजियाबाद की जनता ने हमेशा एनडीए गठबंधन पर भरोसा जताया है। सरकार ने 'देर आए दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करते हुए जनता के हित में फैसला लिया है। यह निर्णय शहर के मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए दीपावली के उपहार जैसा है।

जनता पर थोपे गए टैक्स का हुआ अंत यह जनभावनाओं की जीत: मनोज गोयल

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए हाउस टैक्स को वापस लिए जाने के निर्णय पर हर्ष व्यक्त करते हुए पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने इसे आम जनता की बड़ी राहत बताया है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों द्वारा गलत तरीके से जनता पर जो टैक्स थोपा गया था, उसका अब अंत हो गया है। उन्होंनें कहा कि नगर निगम के अधिकारियों ने बिना किसी ठोस आधार के हाउस टैक्स में भारी वृद्धि कर दी थी, जिससे शहरवासियों में भारी रोष था। जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप और जनता के भारी विरोध के आगे आखिरकार प्रशासन को झुकना पड़ा।

बढ़ा हुआ हाउस टैक्स वापस होना शहर की जीत: गौरव सोलंकी

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। नगर निगम द्वारा बढ़ाए गए हाउस टैक्स को वापस लिए जाने के निर्णय पर पार्षद गौरव सोलंकी ने हर्ष व्यक्त करते हुए इसे जनता की बड़ी जीत बताया है। उन्होंने कहा कि शहर की जनता के लिए आज खुशी का दिन है। उन्होंने इस राहत के लिए सीएम, महापौर और जिले के सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निगम अधिकारियों द्वारा मनमाने ढंग से बढ़ाए गए टैक्स के खिलाफ सभी पार्षदों, आरडब्ल्यूए और सामाजिक संस्थाओं ने एकजुट होकर आवाज उठाई थी, जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अब शहरवासियों से बढ़ा हुआ हाउस टैक्स नहीं वसूला जाएगा।

भाजपा की दशकों की कोशिश और यूसीसी का लंबा सफर... तेज हुई भाजपा की रणनीति

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में सत्ता में आने पर समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया है।

असम के बाद बंगाल दूसरा ऐसा राज्य है जहां पार्टी ने यह घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हाल ही में 'सेक्युलर सिविल कोड' की बात कर चुके हैं, जिसका उद्देश्य भेदभाव खत्म करना और संविधान की भावना को मजबूत करना है।

यूसीसी भाजपा के लिए सिर्फ एक नीति नहीं, बल्कि लंबे समय से चला आ रहा एक बड़ा वैचारिक मुद्दा है। राम मंदिर और अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब यूसीसी ही ऐसा प्रमुख वादा है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर अभी पूरी तरह लागू नहीं किया गया है। इसी वजह से अब भाजपा ने इसे राज्य स्तर पर लागू करने की रणनीति अपनाई है, ताकि धीरे-धीरे पूरे देश में इसे लागू किया जा सके।

1980-90 के दशक से शुरू हुआ सफर

यूसीसी का मुद्दा 1980 के दशक से भाजपा के एजेंडे में रहा है। पार्टी इसे संविधान के अनुच्छेद 44 से जोड़कर देखती रही है। हालांकि 1990 के दशक में स्थिति थोड़ी बदली। 1996 के चुनाव में यूसीसी का जिक्र था, लेकिन 1998 और 1999 के घोषणापत्र में इसे शामिल नहीं किया गया।

उस समय अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए सरकार थी, जिसमें कई क्षेत्रीय दल शामिल थे, जो यूसीसी को लेकर सहमत नहीं थे। इसलिए भाजपा को अपने इस एजेंडे को कुछ समय के लिए पीछे रखना पड़ा।

2014 के बाद फिर तेज हुआ मुद्दा

2014 में पूर्ण बहुमत मिलने के बाद भाजपा ने यूसीसी पर फिर जोर देना शुरू किया। 2014, 2019 और 2024 के घोषणापत्र में इसे प्रमुखता से शामिल किया गया। लेकिन 2024 के बाद फिर गठबंधन की राजनीति लौट आई, जिससे स्थिति थोड़ी जटिल हो गई। तेलुगु देशम पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) जैसे सहयोगी दल यूसीसी पर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं और व्यापक चर्चा की मांग कर रहे हैं। इसी कारण केंद्र स्तर पर यूसीसी लागू करने की प्रक्रिया धीमी बनी हुई है।

राज्यों से शुरू हुई नई रणनीति

केंद्र में चुनौतियों को देखते हुए भाजपा ने राज्यों में यूसीसी लागू करने का रास्ता चुना। उत्तराखंड पहला राज्य बना जहां इसे लागू किया गया। इसके बाद गुजरात, मध्य प्रदेश और असम जैसे राज्यों में भी इसे लागू करने या लागू करने की तैयारी की जा रही है। उत्तर प्रदेश में भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संकेत दिए हैं कि राज्य में यूसीसी की भावना पहले से लागू है।

हरियाणा में सड़कों पर किसान, गेहूं की फसल पर बने नियमों का जमकर हो रहा विरोध, टोल प्लाजा पर किया कब्जा

- किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगों को जल्द ही पूरा नहीं किया गया तो वह आंदोलन को तेज करेंगे।

हिसार। हरियाणा में कई जगहों पर किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले किसानों का विरोध तेज हो गया है। सिरसा में गेहूं खरीद के दौरान दौरान बायोमेट्रिक लगाने और ट्रैक्टर का नंबर लगाकर फोटो पोर्टल पर अपलोड करने का नियम हटाने की मांग को लेकर किसान संगठनों ने नेशनल हाईवे पर स्थित भावदीन टोल और खइयां मलकाना टोल पर तीन घंटे जाम लगाए रखा।

रोड जाम होने के कारण वाहन चालकों को आठ से 10 किलोमीटर अतिरिक्त सफर करना पड़ा और ग्रामीण क्षेत्रों से होकर गुजरना पड़ा। राष्ट्रीय किसान मंच हरियाणा के आह्वान पर जिले के अलग-अलग किसान संगठनों ने टोल प्लाजा पर धरना प्रदर्शन किया। वहीं किसानों ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उनकी मांगों को जल्द ही पूरा नहीं किया गया तो वह आंदोलन को तेज करेंगे। इस दौरान भारी पुलिस बल भी तैनात रहा।

कांग्रेस नेता ने मंडियों का किया दौरा

वहीं, तोशाम में कांग्रेस के ग्रामीण जिला अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी ने शनिवार को जिले की विभिन्न अनाज मंडियों का दौरा कर किसानों की समस्याओं को जाना और सरकार से किसानों की समस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की।

अनिरुद्ध चौधरी ने भिवानी, तोशाम, पटौदी और जुई अनाज मंडी का दौरा कर किसानों को फसल बिक्री के दौरान आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए फसल बेचने में जो तुगलकी फरमान जारी किया है चाहे वह बायोमेट्रिक प्रणाली है, चाहे वह ट्रैक्टर ट्राली नंबर आदि गेट पास की प्रणाली है यह सब गलत है, यह किसान के अनाज की बिक्री नहीं बल्कि ट्रैफिक चेक है।

क्यों हो रहा विरोध-प्रदर्शन?

दरअसल, सरकार ने रबी फसल की खरीद के लिए नए नियम लागू किए हैं। इसके लिए किसानों को मंडी आने से पहले स्लॉट बुक करना जरूरी होगा। किसानों को मेरी फसल, मेरा ब्योरा पोर्टल पर रजिस्ट्रेसनन करवाना आवश्यक होगा। इसमें ट्रैक्टर या वाहन का नंबर पहले देना जरूरी होगा। गौरतलब है कि कई ट्रैक्टरों पर नंबर प्लेट होता नहीं। इसके साथ ही फसल की गुणवत्ता को लेकर भी नियम तय किए गए हैं। इन नियमों का किसान विरोध कर रहे हैं।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे की हवाई पट्टी पर लड़ाकू विमान करेंगे अभ्यास, लखनऊ से गाजीपुर जाने वाले वाहनों को किया डायवर्ट

सुलतानपुर। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अरवलकीरी करवत में निर्मित हवाई पट्टी पर एक बार पुनः वायुसेना के आधुनिक लड़ाकू विमानों की गर्जना सुनाई देगी। इसकी तैयारी एक्सप्रेसवे व प्रशासन ने शुरू कर दी है। इसके लिए वायुसेना मध्य कमान ने पत्र जारी कर दिया है।

रिहर्सल के सप्ताह भर पहले से यह हवाई पट्टी वायुसेना के घेरे में रहेगी, जहां उनके जवान तैनात रहेंगे। तैयारियों के मद्देनजर हवाई पट्टी के बगल से गुजरे सर्विस मार्गो की साफ-सफाई शुरू कर दी गई है। लखनऊ से गाजीपुर जाने वाले वाहनों का रूट डायवर्जन भी किया गया है।

वर्ष 2019 में 341 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। वायुसेना के लड़ाकू विमानों सुखोई,मिराज, जगुआर, हरकुलिस,राफेल जैसे विमानों ने यहां करतब दिखाया था।

पीएम मोदी ने किया था लोकार्पण

वर्ष 2019 में 341 किलोमीटर लंबे एक्सप्रेस वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। वायुसेना के लड़ाकू विमानों सुखोई,मिराज, जगुआर, हरकुलिस,राफेल जैसे विमानों ने यहां करतब दिखाया था। उसके बाद वर्ष 2023 में पुनः वायुसेना अधिकारियों व जिला प्रशासन की मौजूदगी में सेना के युद्धक विमानों ने उड़ान भरी। अब 22 व 23 अप्रैल को वायुसेना के लड़ाकू विमान यहां अपना करतब दिखाएंगे। इसके लिए अधिकारियों ने तैयारी शुरू कर दी है।

21 तक पूरा हो जाएगा रंगरोगन का काम

यूपीडा के एमडी इमरान खान ने बताया कि 21 अप्रैल तक हवाई पट्टी को रंगरोगन व मरम्मत कर दिया जायेगा। 22 या 23 अप्रैल को वायुसेना के लड़ाकू विमानों के यहां आने की सूचना है। इसके लिए सर्विस मार्गों की साफ-सफाई की जाहुआ रूट डायवर्जन, इस मार्ग से गुजरेंगे वाहन रही है। लखनऊ से गाजीपुर जाने वाले वाहनों को शनिवार अपराह्न से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर गुप्तारगंज के पास किलोमीटर 124 से उतर कर अयोध्या- प्रयागराज मार्ग पकड़ेंगे। उससे होकर कूरेभार पहुंचेंगे। वहां से हलियापुर- बेलवाई मार्ग से होकर फुलौना जाएंगे।

वहां से पुनः एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 129.8 पर चढ़ेंगे। सोमवार से गाजीपुर से लखनऊ जाने वाले वाहनों को गौरा के पास से परिवर्तित मार्ग से गुजरना होगा। वाहन फुलौना से ही बेलवाई- हलियापुर मार्ग से होकर गप्तारगंज आएंगे। वहां से सर्विस लेन से पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पकड़ेंगे।

नहीं मिली कोई लिखित सूचना

उपजिलाधिकारी प्रभात सिंह ने बताया कि हमें अभी कोई लिखित सूचना नहीं मिली है। यूपीडा व वायुसेना के अधिकारी जिस भी सहयोग अपेक्षा करेंगे, उसे दिया जाएगा।

सर्च ऑपरेशन के दौरान बम विस्फोट, एसटीएफ समेत 4 पुलिसकर्मी घायल; दरभंगा गोल्ड लूटकांड की जांच में धमाका

बेगूसराय। दरभंगा सोना लूटकांड की जांच के दौरान बेगूसराय में बड़ा हादसा हो गया। नावकोठी थाना क्षेत्र के वृंदावन गांव में चल रहे सर्च अभियान के दौरान अचानक बम विस्फोट हो गया, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इस घटना में एसटीएफ के जवान समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए।

लूट के सोने की तलाश में चल रही थी खुदाई

पुलिस को सूचना मिली थी कि दरभंगा लूटकांड से जुड़ा सोना वृंदावन इलाके में छिपाकर रखा गया है। इसी इनपुट के आधार पर एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की टीम संयुक्त रूप से सर्च ऑपरेशन चला रही थी। संदिग्ध स्थान पर खुदाई की जा रही थी, तभी अचानक विस्फोट हो गया।

खुदाई के दौरान फटा बम, मची अफरा-तफरी

जैसे ही पुलिस टीम जमीन की खुदाई कर रही थी, उसी दौरान बम फट गया। धमाका इतना तेज था कि मौके पर मौजूद जवानों में हड़कंप मच गया। विस्फोट के बाद आसपास का इलाका दहशत में आ गया और तुरंत राहत-बचाव कार्य शुरू किया गया।

नावकोठी के संदीप कुमार के घर के पास बम दबा हुआ था। पांच जख्मी हैं। सभी चोटिल हैं, दो को कुछ ज्यादा था इसलिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है। कोई भी गंभीर नहीं है।

इस हादसे में कुल चार पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। इनमें से दो को गंभीर हालत में सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। अन्य दो घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद निगरानी में रखा गया है। एसआइ विपिन कुमार ओझा, एसआइ गुड़िया कुमारी, एसटीएफ धर्मेंद्र कुमार, एसटीएफ ज्ञानी कुमार, एसटीएफ नगीना कुमार का उपचार जारी है।

घायलों में शिलाकांत ओझा के पुत्र विपिन कुमार ओझा और जागेश्वर मंडल के पुत्र मृत्युंजय मंडल शामिल हैं। दोनों का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है।

महिला आरक्षण: थरूर बोले- सरकार की मंशा पर सवाल संघीय ढांचे की मजबूती को लेकर भी चिंता; तर्कों में और क्या?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शनिवार को महिला आरक्षण कानून में प्रस्तावित संशोधनों पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि यह संशोधन संघीय ढांचे को कमजोर करने वाला राजनीतिक उपकरण नहीं होना चाहिए। थरूर ने संसद में जीवंत और सार्थक बहस न होने के प्रति आगाह भी किया। उन्होंने एक्स पर लिखे एक पोस्ट में आरोप लगाया कि सरकार राज्य चुनावों से पहले राजनीतिक लाभ के लिए विशेष सत्र बुला रही है। इसका उद्देश्य 2029 के आम चुनावों से पहले परिसीमन पर नजर रखना है। कांग्रेस एक तिहाई महिला आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। हालांकि, यह आरक्षण समावेशी और निष्पक्ष होना चाहिए।

महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस पार्टी ने 2013 में क्या किया?

गौरतलब है कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की शुक्रवार को बैठक हुई थी। इसमें महिला आरक्षण कानून पर पार्टी का रुख तय किया गया। थरूर ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा 33 फीसदी महिला आरक्षण का भी समर्थन किया है। उन्होंने यूपीए के कार्यकाल का जिक्र करते हुए कहा, कांग्रेस पार्टी ने साल 2013 में ही राज्यसभा में बिल पारित कराया था। उन्होंने भावी बदलावों के प्रति आगाह करते हुए कहा, वर्तमान सरकार का तरीका गंभीर चिंताएं पैदा करता है।

सीडब्ल्यूसी ने विपक्षी दलों से परामर्श किए बिना सरकार के एकतरफा और अपारदर्शी कदम की निंदा की। पार्टी ने चेतावनी दी कि विधेयक के साथ परिसीमन अभ्यास जल्दबाजी में करने के खतरनाक परिणाम हो सकते हैं। यह राज्यों के लोकतांत्रिक संतुलन को प्रभावित कर सकता है। खासकर दक्षिण और पूर्वोत्तर राज्यों में इसका असर होगा। थरूर ने कहा कि कई कांग्रेस नेताओं ने उजागर किया कि सरकार ने मूल रूप से कार्यान्वयन में देरी की थी।

कांग्रेस ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर महिला आरक्षण कानून के नाम पर राजनीति करने का आरोप लगाया। पार्टी ने कहा कि प्रस्तावित परिसीमन अभ्यास असांविधानिक है। इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। इस पर चल रहे विधानसभा चुनावों के बाद गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है।

देश को मिलेगी एक और नई वंदे भारत स्लीपर रेलवे की इन दो बड़े शहरों से चलाने की है तैयारी

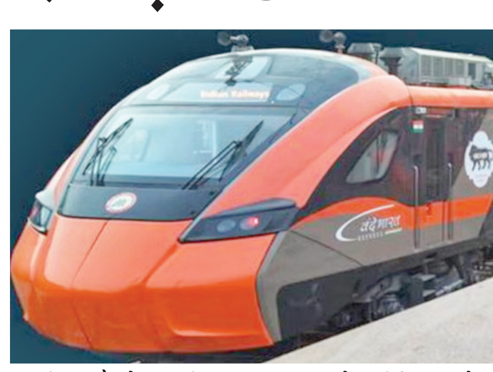

नई दिल्ली। हाल ही में बैंगलोर सेंट्रल से भाजपा सांसद पी.सी. मोहन ने बेंगलुरु और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए रेल मंत्री को पत्र लिखा था। इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए रेल मंत्री ने न सिर्फ प्रस्ताव पर विचार किया, बल्कि इसे मंजूरी भी दे दी। यह ट्रेन दक्षिण और पश्चिम भारत के दो बड़े आर्थिक केंद्रों को जोड़ने वाली पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा होगी।

सांसद पी.सी. मोहन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के पत्र को साझा करते हुए इस नई सेवा की जानकारी दी। उन्होंने लिखा कर्नाटक और बेंगलुरु की जनता की तरफ से मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना को बेंगलुरु-मुंबई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को मंजूरी देने के लिए आभार व्यक्त करता हूं। इस ट्रेन के शुरू होने से दोनों शहरों के बीच कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यात्रियों को बेहतर व सुविधाजनक सफर का लाभ मिलेगा।

जानकारी के मुताबिक, यह नई वंदे भारत स्लीपर ट्रेन केएसआर बेंगलुरु और मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस के बीच संचालित होगी। नारंगी और ग्रे रंग की यह अत्याधुनिक ट्रेन बीईएमएल ने विकसित की है, जिसमें चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री की उन्नत तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इस ट्रेन का संचालन और रखरखाव दक्षिण पश्चिम रेलवे जोन द्वारा किया जाएगा। यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन होगी। इससे पहले जनवरी 2026 में हावड़ा और कामाख्या के बीच पहली वंदे भारत स्लीपर सेवा शुरू की गई थी, जिसने दोनों शहरों के बीच यात्रा समय को करीब छह घंटे तक कम कर दिया है।

दरअसल, वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को खासतौर पर रात के सफर को आरामदायक बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसमें आधुनिक बर्थ, बेहतर लाइटिंग, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट और साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था जैसी सुविधाएं मिलेंगी। यह नई सेवा न केवल यात्रा समय को कम करेगी, बल्कि मुंबई और बेंगलुरु जैसे व्यस्त रूट पर यात्रियों को प्रीमियम और आरामदायक सफर का विकल्प भी देगी। रेलवे विभाग जल्द ही इसके शेड्यूल और टिकट बुकिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी जारी करेगा। वर्तमान में मुंबई और बेंगलुरु के बीच की दूरी तय करने में सामान्य सुपरफास्ट ट्रेनों को 20 से 24 घंटे का समय लगता है। वंदे भारत स्लीपर अपनी 160 किमी/घंटा की टॉप स्पीड के कारण इस सफर को महज 12 से 15 घंटे में पूरा कर देगी।

इस साल 12 स्लीपर वंदे भारत ट्रेन ट्रैक पर

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, इस साल के अंत तक कुल 12 वंदे भारत स्लीपर ट्रेनें शुरू कर दी जाएंगी। पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लॉन्च के दौरान उन्होंने बताया था कि अक्टूबर तक 8 ट्रेनें शुरू हो जाएंगी और साल के अंत तक इनकी संख्या बढ़कर 12 हो जाएगी।

मतदान और चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने दोहराया, हाईकोर्ट का फैसला किया रद्द

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि न तो मतदान का अधिकार और न ही चुनाव लड़ने का अधिकार मौलिक अधिकार है। शीर्ष अदालत ने कहा कि ये दोनों अधिकार अलग-अलग हैं और पूरी तरह कानून (स्टैच्यूट) से संचालित होते हैं, न कि संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में।

न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने यह टिप्पणी राजस्थान के जिला दुग्ध संघों के चुनाव से जुड़े एक विवाद की सुनवाई के दौरान की। यह फैसला न्यायमूर्ति महादेवन ने लिखा।

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट ने?

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि मतदान का अधिकार व्यक्ति को चुनाव प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर देता है, जबकि चुनाव लड़ने का अधिकार एक अलग और अतिरिक्त अधिकार है, जिस पर योग्यता, अयोग्यता और अन्य संस्थागत शर्तें लागू की जा सकती हैं। कोर्ट ने ज्योति बसु बनाम देवी घोषाल (1982) और जावेद बनाम हरियाणा राज्य (2003) जैसे पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि ये अधिकार केवल कानून द्वारा दिए गए हैं और इन्हें उसी सीमा तक लागू किया जा सकता है, जितना कानून अनुमति देता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट ने मतदान और चुनाव लड़ने के अधिकार को एक समान मानकर गलती की। अदालत के अनुसार, संबंधित उपविधियां केवल चुनाव लड़ने की पात्रता तय करती हैं और वे मतदान के अधिकार को प्रभावित नहीं करतीं।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इन उपविधियों का उद्देश्य यह तय करना है कि कौन व्यक्ति चुनाव लड़ सकता है या पद पर बना रह सकता है। इन्हें अयोग्यता से जोड़ना गलत है।

सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि हाईकोर्ट ने बिना सभी प्रभावित पक्षों को सुने व्यापक फैसला दे दिया, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत सभी पक्षों को सुनने का अधिकार का उल्लंघन है।

सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए अपील स्वीकार कर ली। साथ ही यह भी साफ किया कि सहकारी संस्थाएं अपने उपविधियों के जरिए चुनाव प्रक्रिया और प्रतिनिधित्व को नियंत्रित कर सकती हैं। यह फैसला चुनावी अधिकारों की कानूनी प्रकृति और उनके दायरे को स्पष्ट करने वाला महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।

निर्णय में यह भी बताया गया कि मतदान और चुनाव लड़ने के अधिकार विभिन्न कानूनों द्वारा निर्धारित किए जाते हैं। इन कानूनों में यह तय किया जाता है कि कौन व्यक्ति मतदान कर सकता है, कौन चुनाव लड़ सकता है और किन परिस्थितियों में उसे अयोग्य घोषित किया जा सकता है। आयु, नागरिकता और आपराधिक पृष्ठभूमि जैसे कारक इन नियमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि लोकतंत्र में अधिकारों के साथ नियमों का संतुलन भी आवश्यक है। यह फैसला न केवल चुनावी प्रक्रिया को स्पष्ट करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि कानून के दायरे में रहकर ही लोकतांत्रिक अधिकारों का उपयोग किया जा सकता है।

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु के गृह सचिव का तबादला किया, अब किसे मिली जिम्मेदारी?

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के गृह सचिव धीरज कुमार का तबादला करने का आदेश दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी के मनिवसन को नियुक्त किया गया है। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि धीरज कुमार को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव संबंधी पद पर तैनात नहीं किया जाएगा। मनिवसन को तत्काल कार्यभार संभालने का निर्देश दिया गया है।

चुनाव आयोग को बदलाव क्यों करना पड़ा?

गृह सचिव बदलने का यह फैसला राज्य में स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है। बता दें कि आयोग धीरज कुमार को हटाने से पहले भी कई महत्वपूर्ण तबादले कर चुका है। तबादलों में राज्य के शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं। आयोग की तरफ से जारी बयान के मुताबिक विधानसभा चुनाव के लिए मतदान कराए जाने से पहले प्रशासनिक ढांचे में पारदर्शिता लाने का प्रयास किया जा रहा है।

मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त का तबादला

धीरज कुमार से पहले, निर्वाचन आयोग ने तमिलनाडु के मुख्य सचिव एन मुरुगानंदम का भी तबादला किया था। उनकी जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम साई कुमार को नियुक्त किया गया था। इसी तरह, ग्रेटर चेन्नई पुलिस आयुक्त ए अरुण का भी तबादला किया गया था। उनकी जगह 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी अभिन दिनेश को नियुक्त किया गया है। सभी तबादले राज्य में आगामी चुनावों के मद्देनजर किए गए हैं। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि चुनाव संबंधी पदों पर तैनात अधिकारियों को निष्पक्षता बनाए रखनी होगी। किसी भी प्रकार की शिकायत या अनियमितता पर आयोग सख्त कार्रवाई करेगा। इन तबादलों का उद्देश्य चुनाव प्रक्रिया को सुचारु और पारदर्शी बनाना है। आयोग ने सभी संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निदेशों का पालन करने को कहा है। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हों।

महंगा किराया और गंदे बेडरोल... नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस का ये हाल देख चौंक गए यात्री

लखनऊ। वीआइपी ट्रेन राजधानी एक्सप्रेस में महंगा किराया देने के बाद भी यात्रियों को गंदे बेडरोल मिल रहे हैं। इतना ही नहीं बोगियों के भीतर आन बोर्ड हाउस कीपिंग कर्मचारियों की लापरवाही के चलते यात्रियों को गंदगी के बीच सफर करना पड़ रहा है। लखनऊ से नई दिल्ली जा रहे यात्री ने रेलवे से इसकी शिकायत दर्ज करायी है।

ट्रेन नंबर 20503 डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की एसी थर्ड बोगी में सफर कर रहे यात्री सुमित ने रेलवे से इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शिकायत दर्ज करायी है। यात्री ने बताया कि ट्रेन लखनऊ से छूटी तो उनकी सीट पर जो बेडरोल था वह पिछले स्टेशन तक यात्रा करने वाले यात्री ने इस्तेमाल किया हुआ था।

बेडरोल को बदलने के लिए कोच अटेंडेंट से इसकी शिकायत की गई। कोच अटेंडेंट भी दूसरा बेडरोल जब तक लाया, तब तक ट्रेन बरेली पहुंच चुकी थी। बोगी में जब शौचालय को गए तो गेट के बाद कूड़ादान उल्टा पड़ा हुआ था। उसकी गंदगी रास्ते में फैली हुई थी। शिकायत करने पर भी इसकी सफाई नहीं की गई।

बंदरों ने छीना यात्रियों का खाना

लखनऊ स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार पर बंदर यात्रियों का खाने का सामान छीनकर भाग रहे हैं। प्लेटफार्म पर घूमते हुए बंदरों के झुंड की शिकायत यात्री डा. सिद्धांत शुक्ल ने दर्ज करायी है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे जल्द ही कोई कार्रवाई करे।

ठहराव बढ़ा

कानपुर स्थित गंगा नदी के पुल पर गर्डर लांचिंग के चलते ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो रहा है। इसे देखते हुए रेलवे प्रशासन ने ट्रेन 14123 मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ -कानपुर इंटरसिटी का एक मिनट का ठहराव 13 मई तक हरौनी, अजगैन और कानपुर पुल बायां किनारा पर लागू कर दिया है। इसी तरह 14124 कानपुर-मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ इंटरसिटी भी इन तीनों स्टेशनों पर रुकेगी।

दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
03 ● नई दिल्ली। रविवार 12 अप्रैल -2026 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

'बंगाल में इस बार खेला होगा', पीएम नरेंद्र मोदी

'निर्मम सरकार से दिलाएंगे छुटकारा'

बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को मतदान मतगणना 4 मई 2026 को की जाएगी

बर्धमान। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पूरबा बर्धमान के कटवा में जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। इस दौरान वह सभा में उमड़ी भीड़ को देखकर उत्साहित हो गए अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। और उन्होंने सभा से पहले का एक वीडियो शेयर किया जिसमें वह अपने पीछे उमड़ी भीड़ को दिखा रहे हैं।

वीडियो रिकॉर्ड करते वक्त पीएम ने कहा कि भाजपा की रैलियों में उमड़ी भीड़ 4 मई के नतीजों की झलक है, पश्चिम बंगाल बदलाव के लिए तैयार है। वीडियो में पीएम मोदी ने कहा, ह्लमेरे पीछे आप बंगाल का मिजाज देख सकते हैं। अभी सुबह के 11-11:30 बजे हैं और यह मेरी आज की पहली जनसभा है। हेलीपैड पर ही हजारों लोग मौजूद हैं। यह अद्भुत है ह्व

पीएम ने कहा, भाजपा तृणमूल कांग्रेस की निर्मम सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर श्वेतपत्र जारी करेगी। हम पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस की निर्मम सरकार की नीतियों ने पश्चिम बंगाल में आलू किसानों का भविष्य बर्बाद कर दिया। तृणमूल सरकार की योजनाओं को नहीं रोकेगी भाजपा लेकिन उसके भ्रष्टाचार और लूट का अंत करेगी। तृणमूल कांग्रेस के 15 साल के शासन ने पश्चिम बंगाल के हर नागरिक को भय के अलावा कुछ नहीं दिया।

घुसपैठियों पैक कर लें अपना सामान - पीएम

प्रधानमंत्री मोदी ने कटवा रैली में कहा, ह्लपश्चिम बंगाल में अगर भाजपा की सरकार बनती है तो पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना लागू की जाएगी। घुसपैठियों को अपना सामान पैक करना शुरू कर देना चाहिए, उनके जाने का समय आ गया है; अवैध प्रवासियों की मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। अगर पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो शरणार्थियों को नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी आएगी।

यूएस-ईरान के बीच शुरू होगी बमबारी या जारी रहेगी शांति?

नई दिल्ली। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में अमेरिका, ईरान और पाकिस्तान के बीच अहम त्रिपक्षीय बातचीत शुरू हो गई है।

यह बातचीत ऐसे समय हो रही है जब हाल ही में हुए सीजफायर के बाद क्षेत्र में शांति कायम रखने की कोशिशें तेज हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी कहा, बातचीत आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक, इस वार्ता में युद्ध को पूरी तरह खत्म करने, होर्मुज स्ट्रेट को लेकर सहमति बनाने और आगे के सुरक्षा ढांचे पर चर्चा की जा रही है।

पाकिस्तान इस बातचीत में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है। इस राउंड टेबल मीटिंग में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेयर्ड कुशनर; ईरान के बाकर गालिबाफ, विदेश मंत्री अब्बास अराघची और पाकिस्तान की तरफ से आसिम मुनीर शामिल हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने तेल आपूर्ति पर जोर देते हुए कहा,

दुनिया के बड़े समुद्रों में जहाजों को देखिए, उनमें से कई अमेरिका की ओर तेल लोड करने के लिए आ रहे हैं, हमारे पास इसकी कोई कमी नहीं है। होर्मुज स्ट्रेट को लेकर उन्होंने भरोसा जताया और कहा, होर्मुज स्ट्रेट बहुत दूर नहीं, जल्द ही खुल जाएगा। हालांकि, ईरान पर निशाना साधते हुए ट्रंप ने उसे एक विफल देश बताया। जब उनसे पूछा गया कि क्या ईरान ईमानदारी से बातचीत कर रहा है, तो उन्होंने कहा, मैं आपको बहुत जल्द बता दूंगा, इसमें ज्यादा समय नहीं लगेगा।

वहीं, बातचीत के नतीजे को लेकर ट्रंप ने साफ कहा, मुझे नहीं पता कि आज की बातचीत कैसी रहेगी। उन्होंने कहा, जो होगा देखा जाएगा, नहीं तो हम फिर से शुरूआत करेंगे। हम हर स्थिति के लिए तैयार हैं। ट्रंप के इन बयानों से साफ है कि अमेरिका एक तरफ बातचीत कर रहा है, तो दूसरी तरफ दबाव की रणनीति भी बनाए रखे हुए है।

मशहूर सिंगर आशा भोसले को हार्ट अटैक, ब्रीच कैंडी हॉस्पिटल में भर्ती

नई दिल्ली। 92 की सिंगर आशा भोसले को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि उन्हें हार्ट अटैक है, जिसके चलते उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल के इमरजेंसी मेडिकल यूनिट में फिलहाल आशा का इलाज चल रहा है। इस खबर के आने के बाद से सिंगर के फैंस और करीबियों के बीच टेंशन शुरू हो गई है। दुआ की जा रही हैं कि आशा ताई जल्द ठीक हो जाएं। ब्रीच कैंडी अस्पताल के डॉक्टर प्रति समदानी ने इस बात की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आशा भोसले को अस्पताल में उनकी केयर में एडमिट करवाया गया है। हालांकि डॉक्टर ने इसके आगे कोई भी जानकारी देने से साफ इनकार कर दिया। आशा भोसले का परिवार उनके साथ अस्पताल में है।

लेजेंड हैं आशा भोसले : आशा भोसले बॉलीवुड के लेजेंडरी सिंगर्स में से एक हैं। उन्होंने अपनी आवाज का जादू बॉलीवुड फिल्मों में 1950 के दशक में चलाया था। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर 40 और 50 के दशक की बड़ी गायिका थीं। मंगेशकर परिवार से आईं आशा भी अपनी बहन की ही तरह सुरीली आवाज वाली थीं। हालांकि उन्होंने बड़ी फिल्मों में अपनी आवाज देने से पहले कई लो बजट फिल्मों में गाना गाकर पहचान पाई। 1952 में आई फिल्म 'संगदिल' में उन्होंने गाने गाए थे। म्यूजिक कम्पोजर सज्जाद हुसैन की इस एल्बम ने आशा को फेम दिलाया। उस जमाने के जाने माने डायरेक्टर बिमल रॉय ने 1953 में आई फिल्म परिणीता में आशा भोसले को साइन किया था।

जब नाराज होकर शिविर से चली गई पार्षद जी की वाईफ क्यों चले गये एक पार्षद शिविर से विद वाईफ

गाजियाबाद करंट क्राइम। भाजपा में प्रशिक्षण वर्ग चल रहे हैं और इस आयाम में बाकायदा दाम भी लग रहे हैं। 100 रूपये की रसीद कटती है तब एन्ट्री मिलती है। लेकिन फीस के बाद अगर कोई कह दे कि आप अपेक्षित नहीं है तो फिर टीस उठनी लाजमी है। किस्सा नदिया पार के एक मंडल का है। एक बैंकेट हॉल में शिविर चल रहा था। शिविर में क्षेत्र के भाजपा पार्षद की पत्नी पहुंची। उन्होंने पहले 100 रूपये का शुल्क दिया और फिर तिलक लगाया और फिर उनके पटका पहनाया गया लेकिन उनको खटका भी नहीं था कि वो इस शिविर में अपेक्षित ना होने की केटेगरी में बता दी जायेंगी। जैसे ही उन्होंने स्थान ग्रहण किया तभी महिला मंडल उपाध्यक्ष ने उनके पास आकर कहा कि आप तो अपेक्षित ही नहीं है। आप इस वर्ग प्रशिक्षण शिविर में नहीं बैठ सकती। इस पर पार्षद जी की पत्नी हैरान हुईं और उन्होंने मंडल उपाध्यक्ष

शर्मा मैडम को बताया कि मैं केवल पार्षद जी की वाईफ ही नहीं हूं मैं देवतुल्य भाजपाई भी हूं। मैं बूथ अध्यक्ष हूं और बूथ अध्यक्ष क्या शिविर में नहीं आ सकते। इसके बाद उन्होंने ये भी कहा कि अगर मैं अपेक्षित नहीं हूं तो फिर 100 रूपये ऑनलाईन क्यों ग्रहण कर लिये। मैडम तोमर का पारा हाई हो गया और अपेक्षित ना होने वाली बात पर उन्हें उपेक्षित होने जैसी फील आ गई। इधर मैडम शर्मा भी फूल वालों के रूल को लेकर अडी रहीं। सुना है कि फिर खिन्न होकर पार्षद जी की वाईफ बाहर आ गईं। उन्होंने कह दिया कि अब वो मंडल की किसी राजनीति में नहीं पड़ेंगी और उन्होंने फेसबुक पर अपने दिल के जज्बात 100 रूपये की फीस जमा कराने के बाद मिले प्रमाण पत्र के साथ लिखी। बूथ अध्यक्ष की एन्ट्री नहीं हो सकती और बूथ अध्यक्ष से ऑनलाईन फीस ले ली गई। बूथ अध्यक्ष ने भी अब लिख दिया है कि भाजपाई हूं भाजपाई रहूंगी। लेकिन मंडल के किसी काम में मेरी कोई भागीदारी नहीं रहेगी।

सत्र में दो विचित्र घटनाएं हुईं और इन दोनों ही घटनाओं का किस्सा भाजपा में गूंज रहा है। कहीं पार्षद की पत्नी ने तौबा कर ली तो कहीं पार्षद जी अपनी पत्नी के साथ वापस आ गये। अब मंडल में ये किस्सा गूंज रहा है और किस्सा यहां फीस का भी गूंज रहा है। अगर कोई अपेक्षित नहीं है तो फिर उससे ऑनलाईन फीस क्यों जमा करा ली। अगर अपेक्षित नहीं थे तो पटका नहीं पहनाते। टीका नहीं लगाते और फीस जमा नहीं कराते। कम से कम इस बात का तो मलाल नहीं होता कि फीस लेने के बाद अपेक्षित ना होने वाली टीस दी गई है। माना कि अनुशासन है लेकिन क्षेत्र के पार्षद हैं और पांच सत्र अटेंड कर लिये लेकिन कितनी विचित्र स्थिति रही होगी कि वो पूर्व महामंत्री को रिसीव करने गये हैं और वो भी ब्रेक के दौरान। और जब वो वापस आये हैं तो उन्हें ऐबसेंट घोषित कर दिया गया है।

पार्षद जी हो गये नाराज और चले गये अपनी वाईफ के साथ

करंट क्राइम। शिविर ही कुछ अजीब था या अजीब सी बात शिविर में हो गई। लेकिन ये भी रोचक रहा कि कहीं पार्षद जी की पत्नी नाराज हो गईं तो कहीं पार्षद जी नाराज होकर अपनी पत्नी के साथ चले गये। अग्रवाल जी अपनी पत्नी के साथ पहुंचे और सत्र अटेंड किया। इसी बीच जब ब्रेक हुआ तो पार्षद जी एक निवर्तमान पदाधिकारी जी को रिसीव करने पहुंच गये। अब अतिथि में कार्यक्रम हो रहा है तो अतिथि की सेवा भी बनती है। पार्षद जी ने पदाधिकारी को चाय पिलाई, अपने दफ्तर ले गये और फिर आ गये। जैसे ही वो वापस आये तो उन्हें बताया गया कि आपकी एबसेंट लगा दी गई है। पार्षद जी हैरान और बड़े ही धीरज के साथ उन्होंने जवाब दिया कि मैं तो पांच सत्र अटेंड कर चुका हूं। और मैं कैसे गैरहाजिर हो सकता हूं। लेकिन एबसेंट वालों ने कहा दिया कि आप एबसेंट हो। बताते हैं कि फिर पार्षद जी का भी धीरज जवाब दे गये। उनको भी अपमान वाली फील आ गई। पता चला है कि यहां हवा में ये आवाज भी सुनाई दी कि लो जी 2000 रूपये की फीस देने के बाद भी और पांच सत्र अटेंड करने के बाद भी हम गैरहाजिर हैं। कमाल ये है कि हम हाजिर हैं और बताते हैं कि फिर इसके बाद पार्षद जी भी अपनी वाईफ को लेकर सत्र से चले गये।

त्योहारों और संभावित संवेदनशील हालात को देखते हुए गाजियाबाद में 2 मई तक धारा 163 लागू

नियम तोड़े तो होगी कड़ी कार्रवाई : एडिशनल सीपी

लागू हुई धारा 163

गाजियाबाद, करंट क्राइम : त्योहारों और संभावित संवेदनशील हालात को देखते हुए गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट ने पूरे कमिश्नरेट क्षेत्र में बीएनएसएस 2023 की धारा 163 लागू कर दी है। यह आदेश 2 मई 2026 तक प्रभावी रहेगा और इसे एडिशनल सीपी कानून-व्यवस्था एवं यातायात राजकरन नैय्यर की ओर से जारी किया गया है।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि इस अवधि में किसी भी प्रकार से माहौल बिगाड़ने या कानून-व्यवस्था को प्रभावित करने की कोशिश करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। धारा लागू होने के बाद अब बिना अनुमति किसी भी प्रकार के जुलूस, धरना, प्रदर्शन या सार्वजनिक आयोजन पर रोक लगा दी गई है। यदि कोई आयोजन करना है तो पहले संबंधित प्राधिकरण से अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

इसके साथ ही ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए तेज आवाज में डीजे और साउंड सिस्टम बजाने पर भी सख्ती की गई है। निर्धारित मानकों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ उपकरण जब्ती से लेकर कानूनी कार्रवाई तक की जाएगी। पुलिस ने सोशल मीडिया को लेकर भी कड़ा रुख अपनाया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि फेसबुक, व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम या अन्य किसी भी प्लेटफॉर्म पर भड़काऊ, अफवाह फैलाने वाली या किसी जाति, धर्म और वर्ग विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कमिश्नरेट स्तर पर सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को भी और तेज कर दिया गया है।

इसके अलावा, सुरक्षा के लिहाज से ईंट, पत्थर, कांच की बोतलें, पेट्रोल या अन्य ज्वलनशील पदार्थों का स्टोरेज करना भी पूरी तरह प्रतिबंधित किया गया है। ऐसे मामलों में पुलिस तुरंत कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करेगी। होटल, गेस्ट हाउस और धर्मशालाओं को भी सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे बिना वैध पहचान पत्र के किसी भी व्यक्ति को ठहराने से बचें, अन्यथा संचालकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने राजनीतिक और सामाजिक संगठनों को भी साफ निर्देश दिए हैं कि वे न्यायालय के दिशा-निर्देशों का पालन करें और किसी भी गतिविधि से पहले आवश्यक अनुमति लेना सुनिश्चित करें। आदेशों का उल्लंघन करने पर किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। एडिशनल सीपी राजकरन नैय्यर ने स्पष्ट कहा है कि गाजियाबाद में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने आम नागरिकों से अपील की है कि वे प्रशासन का सहयोग करें और शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में अपनी जिम्मेदारी निभाएं।

त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, एसीपी वेव सिटी ने की शांति बैठक

गाजियाबाद, करंट क्राइम : थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक क्षेत्र में आगामी त्योहारों को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में सहायक पुलिस आयुक्त वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों के साथ एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की। बैठक में त्योहारों के दौरान शांति, सुरक्षा और आपसी सौहार्द बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया। एसीपी ने उपस्थित लोगों से अपील की कि किसी भी अफवाह या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस को सूचना दें और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों ने भी अपने सुझाव साझा किए और पुलिस प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा दिलाया। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे, जिससे आमजन सुरक्षित माहौल में पर्व मना सकें। इस मौके एसओ श्वेता सिंह ने जानकारी दी, तो गोष्ठी का मुख्य उद्देश्य पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर त्योहारों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराना रहा।

सीपी और एडिशनल सीपी ने ट्रांस हिंडन के बीट उपनिरीक्षक- बीट अफसर से पूछे सीधे सवाल

जमीनी हकीकत परखी तो बीट कर्तव्य और यक्ष ऐप की ली जानकारी

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड और एडिशनल सीपी (मुख्यालय) केशव चौधरी ने शनिवार को ट्रांस हिंडन जोन में बीट पुलिसिंग व्यवस्था की गहन समीक्षा करते हुए बीट उप निरीक्षकों (बीएसआई) और बीट पुलिस अधिकारियों (बीपीओ) के साथ महत्वपूर्ण गोष्ठी की। बैठक में एसीपी स्तर के अधिकारी भी मौजूद रहे और पूरी कार्यवाही की मॉनिटरिंग करते रहे। इस दौरान पुलिस कमिश्नर ने खुद माइक संभालते हुए बीट अधिकारियों से सीधे सवाल किए और उनकी कार्यप्रणाली, जिम्मेदारियों और क्षेत्रीय सक्रियता को परखा। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि बीट पुलिसिंग ही कानून-व्यवस्था की सबसे मजबूत कड़ी है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पूरी बैठक के दौरान यह साफ दिखा कि पुलिस कमिश्नरेट अब बीट पुलिसिंग को लेकर पूरी तरह गंभीर है और जमीनी स्तर पर जवाबदेही तय करने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। अधिकारियों को संकेत दिया गया कि भविष्य में उनके कार्य का मूल्यांकन बीट स्तर पर उनकी सक्रियता और प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा। यह गोष्ठी महज औपचारिकता नहीं, बल्कि गाजियाबाद में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने की दिशा में एक ठोस और सख्त पहल मानी जा रही है, जिससे बीट पुलिसिंग में सुधार और अपराध नियंत्रण में तेजी आने की उम्मीद है।

यक्ष ऐप का दिखा जोर

करंट क्राइम : यक्ष ऐप के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों से पूछा गया कि वे किस तरह अपने-अपने क्षेत्रों की सूचनाएं अपडेट करते हैं और तकनीक के जरिए अपराध नियंत्रण में कैसे योगदान दे रहे हैं। सीपी ने निर्देश दिए कि सभी बीट अधिकारी ऐप का नियमित और सही उपयोग सुनिश्चित करें, ताकि क्षेत्र की हर छोटी-बड़ी जानकारी समय पर उपलब्ध हो सके। इसके साथ ही बीट अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित गश्त करने, स्थानीय लोगों से संवाद स्थापित करने, खुफिया सूचनाएं एकत्रित करने और जन शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि जनता के साथ सीधा संपर्क ही पुलिस की सबसे बड़ी ताकत है और इससे न सिर्फ अपराधों पर अंकुश लगता है, बल्कि पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ता है।

माइक थामकर बोले बीट उपनिरीक्षक और बीट पुलिस अफसर

करंट क्राइम : बैठक में कौशांबी क्षेत्र के बीट अधिकारी लालू प्रसाद यादव से बीट कर्तव्यों के बारे में पूछा गया, जबकि बीट उप निरीक्षक अंकुर राठौर से उनके दायित्वों की जानकारी ली गई। वहीं बीट उप निरीक्षक आकांक्षा शर्मा से बीट क्या होती है और उसकी भूमिका को लेकर सवाल किया गया। सभी अधिकारियों ने गंभीरता के साथ जवाब दिए, जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों ने संतोष जताया, लेकिन साथ ही कार्य में निरंतर सुधार के निर्देश भी दिए।

12 April -26 page 4 11-04-2026 8:55 PM Page 1

संवाद

संपादकीय

बांग्लादेश-भारत संबंध

बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान ने इस सप्ताह नए प्रधानमंत्री के विदेश मामलों के सलाहकार हुमायूं कबीर के साथ भारत का दौरा किया। उम्मीद है कि इस दौरे से ढाका में बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के नेतृत्व वाली नई सरकार और भारत सरकार के बीच संबंधों में सुधार होगा। विदेश मंत्री के रूप में रहमान का यह पहला विदेश दौरा नहीं है। पिछले महीने वह इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईएस) की बैठक के लिए सऊदी अरब गए थे, जहां उन्होंने पाकिस्तान सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं। खबरों के अनुसार, भारत में हुई उनकी बैठक में बांग्लादेश ने अपनी पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग रखी, जो इस समय भारत में निर्वासन में हैं। फिर भी, भारत को इस महत्त्वपूर्ण रिश्ते को फिर से मजबूत करने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। अतीत में उससे कई गलतियां हुई हैं। बांग्लादेश की घटनाओं और चुनावों के कारण मजबूर होने से पहले ही उसे बीएनपी के साथ संबंध सुधारना शुरू कर देना चाहिए था।

असम और पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों के प्रचार के दौरान व्याप्त तनावपूर्ण माहौल से इस प्रक्रिया में और भी बाधा आ रही है, जहां कथित ह्यघुसपैठद्ध एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा है। बांग्लादेश में भी विरोध प्रदर्शन और कट्टरपंथी गतिविधियां हुई हैं, जिनमें अखबारों समेत कथित ह्यभारत समर्थकद्ध हितों और गतिविधियों को निशाना बनाया गया है। कूटनीति इस कठिन राजनीतिक माहौल को नजरअंदाज नहीं कर सकती, बल्कि इससे पार पाने के लिए उसे प्रयासरत रहना चाहिए। सहयोग के लिए एक व्यावहारिक एजेंडा है जिस पर दोनों पक्षों को काम करना चाहिए। कनेक्टिविटी अवसंरचना, व्यापार सुगमता और ऊर्जा नीति ऐसे क्षेत्र हैं जिन्हें प्रभावी रूप से राजनीति से मुक्त किया जा सकता है और जिनसे ऐसे समाधान निकल सकते हैं जिनमें दोनों पक्ष अपनी जीत का दावा कर सकें। इस तरह के ठोस परिणाम सद्भावना पैदा कर सकते हैं और साथ ही किसी भी सरकार को कठिन राजनीतिक सवालों का तुरंत सामना करने से बचा सकते हैं।

यह निर्विवाद है कि बांग्लादेश में चीन की बढ़ती रणनीतिक उपस्थिति स्वाभाविक रूप से भारत के लिए चिंता का विषय है और इससे इस सहयोग में तत्परता आएगी, लेकिन भारत को निश्चित रूप से बांग्लादेश को चीन के साथ अपनी रणनीतिक प्रतिस्पर्धा में मोहरे के रूप में इस्तेमाल करने के प्रलोभन से बचना चाहिए। न ही बांग्लादेश को पाकिस्तान के अधीन माना जाना चाहिए, भले ही वह उस देश के साथ संबंधों को सुधारने का प्रयास कर रहा हो।

इसके बजाय, उसे निरंतर, उच्च स्तरीय सहयोग बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो यह संकेत दे कि भारत बांग्लादेश को एक ऐसे पड़ोसी के रूप में गंभीरता से लेता है जिसके अपने वैध हित हैं और जो राजनीतिक बदलाव से गुजरा है।

बढ़ती लागत व बदलते विकल्पों के बीच उपभोक्ता बाजार में मिला-जुला रुझान

नई दिल्ली। ब्रोकरेज फर्म सिस्टेमैटिक्स की एक हालिया रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, आने वाली तिमाहियों में कंज्यूमर डिस्क्रीशनरी (उपभोक्ताओं पर आधारित) सेक्टर को विकास और चुनौतियां दोनों का सामना करना पड़ सकता है। उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं, कच्चे माल (इनपुट) की बढ़ती लागत और विनियामक दबावों के कारण इस सेक्टर की विकास दर और मुनाफे पर सीधा असर पड़ने की संभावना है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 की मार्च तिमाही में इस सेक्टर में कुल मिलाकर अच्छी वृद्धि दर्ज की गई है। यह मुख्य रूप से वैल्यू अपैरल (किफायती परिधान) रिटेल, प्रीमियम फैशन और आभूषणों के मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित था।

आभूषण: सोने की कीमतों में महंगाई, शादियों की मांग और त्योहारी खरीदारी के दम पर इस क्षेत्र ने असाधारण वृद्धि देखी है। हालांकि, उत्पाद मिश्रण में बदलाव के कारण मार्जिन में थोड़ी नरमी आ सकती है। सिस्टेमैटिक्स ने कहा, वित्तीय वर्ष 2026 की चौथी तिमाही में आभूषण उद्योग ने उल्लेखनीय लचीलापन और मजबूत विकास गति का प्रदर्शन किया है, जिसमें सोने की कीमतों में भारी अस्थिरता के बावजूद उपभोक्ता मांग मजबूत रही है।

परिधान: वैल्यू अपैरल खुदरा विक्रेताओं ने नए स्टोर के विस्तार और समान-स्टोर बिक्री में सुधार के माध्यम से मजबूत वृद्धि हासिल की। इसके साथ ही प्रीमियम ब्रांडों ने भी अपनी निरंतर गति बनाए रखी है। अन्य उपभोक्ता खंडों में रिकवरी के संकेत तो हैं, लेकिन चुनौतियां भी बरकरार हैं:

क्विक सर्विस रेस्तरां: इस सेक्टर ने रिकवरी के शुरूआती संकेत दिए हैं, लेकिन मांग में अस्थिरता और एलपीजी (एलपीजी) आपूर्ति से संबंधित व्यवधानों के कारण मार्जिन लगातार दबाव में है। हालांकि कच्चे माल की स्थिर कीमतों के कारण ग्रॉस मार्जिन स्वस्थ रहा, लेकिन भारी छूट (डिस्काउंटिंग) और नकारात्मक परिचालन लीवरेज के कारण रेस्तरां का मुनाफा प्रभावित हुआ है।

अल्कोहलिक-बेवरेज: इस सेगमेंट में मिला-जुला प्रदर्शन रहा। नए उत्पादों के लॉन्च से 'प्रेस्टीज एंड अबव' सेगमेंट में दहाई अंकों की मजबूत वॉल्यूम वृद्धि देखी गई और इंडियन मेड फॉरेन लिकर (आईएमएफएल) कंपनियों ने ग्रोथ का नेतृत्व किया।

शिपरॉकेट से छोटे उद्योगों को मिल रही बड़ी पहचान

नई दिल्ली। भारत में ई-कॉमर्स का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब यह केवल महानगरों और बड़े मार्केटप्लेस तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि सूरत, लखनऊ, कोच्चि और रायपुर जैसे शहरों के छोटे और मझोले ब्रांड्स भी राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं। ये ब्रांड्स अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए सीधे ग्राहकों तक पहुंच बनाते हुए डायरेक्ट-टू-कंज्यूमर मॉडल को तेजी से अपना रहे हैं।

इस बदलाव के केंद्र में शिपरॉकेट एक प्रमुख भूमिका निभा रहा है। यह प्लेटफॉर्म एमएसएमई कंपनियों (छोटे और मझोले उद्योग) के लिए एंड-टू-एंड ई-कॉमर्स समाधान उपलब्ध कराता है, जिसमें शिपिंग, फुलफिलमेंट, चेकआउट और पोस्ट-ऑर्डर मैनेजमेंट जैसी सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म पर मिलती हैं।

उद्योग से जुड़े हालिया अध्ययनों के अनुसार, छोटे और लघु उद्योग पहले से ही देश की अर्थव्यवस्था में अहम योगदान दे रहे हैं और आने वाले समय में ऑनलाइन रिटेल ग्रोथ में उनकी हिस्सेदारी और बढ़ने की संभावना है। खासकर डी2सी वर्ग पारंपरिक मार्केटप्लेस की तुलना में अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसमें गैर-मेट्रो शहरों का योगदान उल्लेखनीय है।

रिपोर्ट्स में यह भी सामने आया है कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑनलाइन उपभोक्ताओं की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

सेबी ने लॉन्च किए तीन नए आईटी प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (व्यापार में सुगमता) को बढ़ावा देने और साइबर सुरक्षा की निगरानी को मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। सेबी अध्यक्ष ने 24 मार्च को तीन नए सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं, जिनकी आधिकारिक जानकारी शुक्रवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई। ये प्लेटफॉर्म नियामक संस्थाओं के साथ संचार को सुव्यवस्थित करने और न्यायिक कार्यवाही को पूरी तरह से डिजिटल बनाने का काम करेंगे।

इस नई पहल के तहत ई-एडज्यूडिकेशन पोर्टल और साइबर-सेक ऑडिट कंप्लायंस (को लॉन्च किया गया है। इन तकनीकी सुधारों से सेबी-विनियमित संस्थाओं की कार्यप्रणाली में बड़ी पारदर्शिता आएगी।

सुधरेगा संचार: 'सिंगल यूनिवर्सल प्लेटफॉर्म फॉर कम्युनिकेशंस' सेबी के साथ होने वाली पारंपरिक ईमेल-आधारित बातचीत की जगह लेगा। सेबी ने स्पष्ट किया है कि ₹यह बदलाव सुनिश्चित करता है कि आगे चलकर बाहरी संस्थाओं के साथ सभी संचार सेबी और संस्था दोनों के लिए आसानी से उपलब्ध रहें₹। यह प्लेटफॉर्म सभी आधिकारिक संवादों को एक जगह रखकर संचार को टूटने से बचाता है और एक मजबूत 'संस्थागत स्मृति' का निर्माण करता है। ई-एडज्यूडिकेशन पोर्टल: यह एक नेक्स्ट-जेन प्लेटफॉर्म है जिसे अर्द्ध-न्यायिक कार्यवाही को डिजिटल बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। इसके जरिए सभी पक्षों को एक पारदर्शी विकल्प मिलेगा, जहां बाहरी संस्थाएं 'कारण बताओ नोटिस' डाउनलोड कर सकेंगी, अपना जवाब दाखिल कर सकेंगी और एक समर्पित ऑनलाइन मॉड्यूल के माध्यम से सुनवाई में भाग ले सकेंगी।

पश्चिम एशिया के नाजुक हालात के बीच सोने-चांदी में जोरदार तेजी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित युद्धविराम की खबरों का सीधा असर सरार्फा बाजार पर दिख रहा है। कमजोर होते अमेरिकी डॉलर और कूटनीतिक स्तर पर बन रही उम्मीदों के चलते शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमतों में भारी उछाल दर्ज किया गया, जबकि सोना भी मजबूत होकर 1.55 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया है।

ऑल इंडिया सरार्फा एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार को चांदी की कीमत 3,800 रुपये या 1.6 प्रतिशत की छलांग लगाकर 2,47,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर पहुंच गई, जिससे गुरुवार की गिरावट (2,43,200 रुपये प्रति किलोग्राम) की पूरी तरह भरपाई हो गई। इसी तरह, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत भी 400 रुपये बढ़कर 1,55,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जो पिछले कारोबारी सत्र में 1,54,900 रुपये के स्तर पर थी।

इस तेजी ने कीमती धातुओं के लिए एक बेहद मजबूत सप्ताह का समापन किया है। पूरे कारोबारी हफ्ते के दौरान चांदी की कीमत में 10,000 रुपये (4.2 प्रतिशत) और सोने में 3,800 रुपये (2.51 प्रतिशत) की शानदार साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी तेजी का रुख कायम है, जहां हाजिर सोना 11.52 डॉलर या 0.24 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,777.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जबकि चांदी लगभग 1 प्रतिशत बढ़कर 75.91 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी। इंडसइंड सिक्योरिटीज के वरिष्ठ शोध विश्लेषक जिगर त्रिवेदी के अनुसार, अमेरिका-ईरान युद्धविराम के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है, जिसने अर्थव्यवस्था में फिर से मुद्रास्फीति बढ़ने और ब्याज दर में संभावित बढ़ोतरी की चिंताओं को कम कर दिया है। इसी के चलते सोना 4,700 डॉलर के ऊपर स्थिर है और लगातार तीसरे सप्ताह बढ़त की ओर है। इसके अलावा, सुरक्षित निवेश के रूप में उभरे अमेरिकी डॉलर में आई नरमी ने भी बाजार की सकारात्मक धारणा को और समर्थन दिया है।

ऑगमोंट की शोध प्रमुख रेनीशा चैनानी ने बताया कि ईरान विवाद पर एक सतर्क कूटनीतिक आशावाद और केंद्रीय बैंकों की लगातार खरीदारी से कीमती धातुओं की कीमतों में यह मजबूती आई है।

डाउनस्ट्रीम कंपनियों के साथ वेदांता एल्युमीनियम की साझेदारी

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एल्युमीनियम उत्पादक कंपनी वेदांता एल्युमिनियम ने ओडिशा के झारसुगुड़ा में प्रस्तावित वेदांता एल्युमिनियम पार्क के भीतर डाउनस्ट्रीम एल्युमिनियम निर्माण इकाइयों की स्थापना के लिए दो प्रमुख कंपनियों, सिंघल स्टील एंड पावर प्राइवेट लिमिटेड और स्कॉट-एल मेटकॉन प्राइवेट लिमिटेड (स्कॉटिश केमिकल इंडस्ट्रीज और यूएल इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू हस्ताक्षर समारोह भुवनेश्वर में आयोजित हुआ, जिसमें ओडिशा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे, जिनमें उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री संपद चंद्र स्वाईं, उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री हेमंत शर्मा शामिल थे। झारसुगुड़ा में प्रस्तावित वेदांता एल्युमिनियम पार्क को डाउनस्ट्रीम एल्युमिनियम उद्योगों के लिए एक विश्वस्तरीय औद्योगिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देना, एमएसएमई क्षेत्र को समर्थन देना और ओडिशा को वैश्विक एल्युमिनियम केंद्र के रूप में मजबूत करना है। इस पहल से राज्य में 500 करोड़ रुपये से अधिक का नया निवेश आने की संभावना है और लगभग 1,500 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे

इस अवसर पर उद्योग, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा राज्य मंत्री श्री संपद चंद्र स्वाईं ने कहा, 'यह पहल ओडिशा को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में और मजबूत करती है। वेदांता एल्युमिनियम पार्क निवेश को बढ़ावा देगा, बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करेगा और राज्य की विनिर्माण क्षमता को मजबूत करेगा।'

उद्योग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री हेमंत शर्मा ने कहा, 'वेदांता एल्युमिनियम पार्क ओडिशा की औद्योगिक वैल्यू चेन को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। बेहतर बुनियादी ढांचा और नीतिगत सहयोग के साथ हम उद्योगों को प्रतिस्पर्धी तरीके से आगे बढ़ने का अवसर दे रहे हैं।'

वेदांता झारसुगुड़ा के सीईओ सी. चंद्रु ने कहा, 'झारसुगुड़ा, वेदांता एल्युमिनियम की विकास यात्रा का एक महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। वेदांता एल्युमिनियम पार्क न केवल डाउनस्ट्रीम उद्योगों को मजबूत करेगा, बल्कि रोजगार के स्थायी अवसर पैदा करेगा, उद्यमिता को बढ़ावा देगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देगा।'

रोचक तथ्यों का करंट

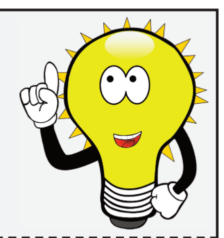

- जब एक माँ अपने बच्चे को जन्म देती है, उस वक्त उसे इतना दर्द होता है, जितना हमारे शरीर की 20 हड्डियां टूटने पर होता है।
- अगर कोई व्यक्ति ज्यादातर अपने नाखून चबाता रहता है, तो इसका मतलब है, के वह या तो परेशान है, या फिर किसी चिंता में डूबा हुआ है।
- जब कोई व्यक्ति सच बोलता है, तो उसके हाथ ज्यादा हिलते है, वही अगर कोई व्यक्ति झूट बोलता है, तो वह अपने शरीर में काम गतिविधि करता है।
- अगर आपको बहुत ज्यादा हंसी आ रही है, और आपकी हसी रुक नहीं रही है, तो आप अपने शरीर पर चोंटी (नुच) सकते है, इससे आपकी हसीं बंद हो जायेगी।
- हमारे हाथ की सबसे ज्यादा संवेदनशील ऊँगली अंगूठे के बाद वाली उंगली होती है।
- हमारे होठों की त्वचा 3 से 4 परतो से मिलकर बनी होती है, जिसकी वजह से होठों का रंग गुलाबी और लाल नजर आता है।
- अगर किसी की लम्बाई कम है, तो इसका 90 प्रतिशत मतलब है, जिस समय वह व्यक्ति गर्भाशय में था, उस समय उसकी माँ चिंतिति होगी।

राशिफल

मेष: वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद से क्लेश हो सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। गृहिणियां विशेष सावधानी रखें।

वृष: अविवाहितों के लिए वैवाहिक प्रस्ताव आ सकता है। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। धन प्राप्ति सुगम होगी।

मिथुन: स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शत्रुता में वृद्धि हो सकती है। भूमि व भवन के खरीद–फरोख्त की योजना बनेगी। बड़ा लाभ के योग हैं।

कर्क: धनलाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

सिंह: पुराने शत्रु सक्रिय रहेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। दु:खद समाचार प्राप्त हो सकता है, धैर्य रखें।

कन्या: परिवार के छोटे सदस्यों के अध्ययन तथा स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। लापरवाही न करें। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होगी।

तुला: थकान महसूस होगी। शारीरिक आराम की आवश्यकता रहेगी। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक: शरीर साथ नहीं देगा। स्वास्?थ्य का ध्यान रखें। उत्साह बढ़ेगा। कार्य की बाधा दूर होकर स्थिति लाभप्रद रहेगी।

धनु: प्रेम–प्रसंग में जोखिम न लें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में अधिकारी की अपेक्षाएं बढ़ेगी।

मकर: कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि नीचा देखना पड़े। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास मनोनुकूल रहेंगे।

कुंभ: आशंका–कुशंका के चलते निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होगी। योजना में परिवर्तन हो सकता है। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

मीन: अनहोनी की आशंका रहेगी। पूजा–पाठ में मन लगेगा। किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। व्यापार–व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

चुटकुले

एक बुजुर्ग ऑपरेशन टेवल पर लेटे थे
बड़ा ऑपरेशन होने वाला था और ऑपरेशन उनका दामाद करने वाला था
जब डाक्टर दामाद आया तो उन्होंने बड़े प्यार से कहा
बेटे में जानता हूँ कि तुम मुझे कुछ नहीं होने दोगे
अगर कुछ अनहोनी हो गयी तो तुम्हारी सास तुम्हारे साथ ही रहेगी फिर ऑपरेशन सफल रहा।

पहला दोस्त – खुशी और अफसोस की मिक्स फीलिंग कब आती है...?
दूसरा दोस्त – मुझे क्या पता, तू ही बता दे।
पहला दोस्त – जब स्कूल में साथ पढ़ी हुई लड़की बोल दे कि
मैं उन दिनों तुमको बहुत पसंद करती थी...!

दो महिलाएं आपस में बात कर रही थी...
बेलन भी एक विचित्र यंत्र है...
जिससे रोटी गोल होती है
और पति सीधा...!

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ–23, सैक्टर–6, नोएडा–201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी–2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम
समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया–पाया, संबंध–विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।
संपर्क : के–2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

12 04 2026 करंट क्राइम

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

सेलेब्रिटी जन्मदिन

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

12 April -26 page 5a 11-04-2026 8:56 PM Page 1

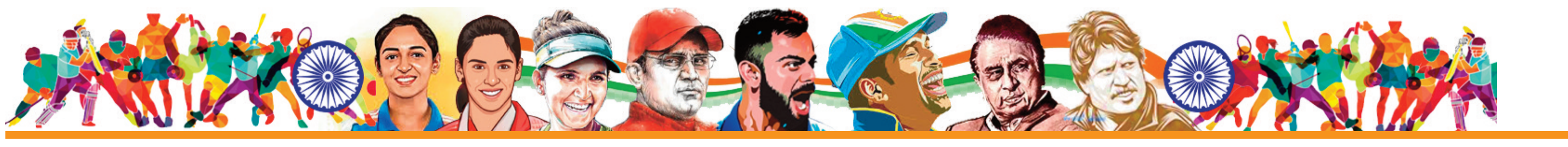

मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे करने पर

हार्दिक ने रोहित को दी बधाई, बताया टीम की बड़ी प्रेरणा

मुंबई। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने फ्रेंचाइजी के साथ 15 साल पूरे कर लिए हैं। मुंबई इंडियंस ने एक वीडियो साझा किया है जिसमें टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या इस उपलब्धि पर रोहित को बधाई दे रहे हैं।

मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा को फ्रेंचाइजी के साथ 15 साल पूरे करने पर बधाई दी है। हार्दिक ने ड्रेसिंग रूम में दिल को छू लेने वाली एक स्पीच दी। अपनी स्पीच में हार्दिक ने रोहित को मुंबई के खिलाड़ियों का सबसे बड़ा प्रेरणास्त्रोत बताया। मुंबई इंडियंस के साथ 15 साल पूरे होने पर रोहित ने टीम के साथियों, सहायक स्टाफ और फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट का दिल से शुक्रिया अदा किया और फ्रेंचाइजी द्वारा पोस्ट किए गए एक और वीडियो में बतौर कप्तान अपनी यात्रा को आकार देने का श्रेय टीम के माहौल को दिया।

हार्दिक ने रोहित को सराहा

हार्दिक पांड्या ने मुंबई इंडियंस द्वारा सोशल मीडिया पर शेयर किए एक वीडियो में कहा, रोहित 15 साल पूरे करने पर बधाई। इतने वर्षों तक इस फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करने के लिए आपका धन्यवाद। मैंने डेब्यू किया, बुमराह ने किया, हममें से कई लोगों ने आपके नेतृत्व में डेब्यू किया है। इतने सारे लोगों को प्रेरित करने के लिए धन्यवाद जो इस फ्रेंचाइजी के लिए खेलते आए हैं और उसी समय भारत के लिए भी खेले। आप एक इंसान के तौर पर भी कमाल और शानदार रहे हैं। आप बहुत फ्रेंडली और खुले विचारों वाले रहे हैं। आपने इतने वर्षों तक जिस तरह से टीम का आगे बढ़कर नेतृत्व किया है उसके लिए बहुत धन्यवाद। रोहित ने अपनी कप्तानी में मुंबई इंडियंस को लीग की सबसे कामयाब फ्रेंचाइजी बनाया। इस पर उन्होंने कहा कि ये कामयाबियां किसी एक की काबिलियत के बजाय टीम की मेहनत का नतीजा थीं। फ्रेंचाइजी और उसके हितधारकों के समर्थन ने एक कप्तान और एक व्यक्ति के तौर पर मुझे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। रोहित ने फ्रेंचाइजी के मालिक का भी शुक्रिया अदा किया और अपने करियर के अहम दौर में उनका साथ देने में उनकी भूमिका को स्वीकारा।

रोहित शर्मा का आईपीएल करियर

2008 में रोहित शर्मा ने अपने आईपीएल करियर का आगाज डेक्कन चार्जर्स के साथ किया था। वह इस टीम के साथ 2010 तक रहे। आईपीएल 2011 में वह मुंबई इंडियंस से जुड़े और अब तक इस टीम का हिस्सा बने हुए हैं। मुंबई इंडियंस ने रोहित को 2013 में कप्तान बनाया था। वह 2023 तक इस टीम के कप्तान रहे। 10 साल की कप्तानी में रोहित ने पांच बार (2013, 2015, 2017, 2019, 2020) मुंबई को आईपीएल का चैंपियन बनाया। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के अलावा पांच आईपीएल खिताब जीतने वाली मुंबई सिर्फ दूसरी टीम है। रोहित मुंबई इंडियंस के सफलतम बल्लेबाज हैं। 239 मैचों की 235 पारियों में दो शतक और 41 अर्धशतक लगाते हुए वह 6267 रन बना चुके हैं।

युवराज ने चुना पसंदीदा बल्लेबाजी पार्टनर, धोनी की तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली। युवराज सिंह ने एक पॉडकास्ट में खुलासा किया कि उनके पसंदीदा बल्लेबाजी पार्टनर एमएस धोनी हैं, न कि विराट या सचिन। साथ ही उन्होंने छह छक्कों के बाद कार मिलने की सच्चाई बताते हुए कहा कि उन्हें फेरारी नहीं बल्कि बीएमडब्ल्यू एम5 कार गिफ्ट में मिली थी।

धोनी को बताया सबसे पसंदीदा पार्टनर

युवराज सिंह और महेंद्र सिंह धोनी ने लंबे समय तक भारतीय टीम के लिए साथ खेला। दोनों ही 2007 के टी20 विश्व कप और 2011 के वनडे विश्व कप 2011 जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। इन दोनों बड़े टूनामेंट्स में धोनी कप्तान थे, जबकि युवराज प्लेयर ऑफ द टूनामेंट रहे थे। हाल ही में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन के साथ एक पॉडकास्ट में युवराज ने रैपिड-फायर राउंड के दौरान अपने पसंदीदा बल्लेबाजी पार्टनर के तौर पर एमएस धोनी का नाम लिया।

ललित मोदी ने युवराज को गिफ्ट की थी कार: युवराज सिंह ने 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के लगाकर इतिहास रचा था। इसको लेकर सोशल मीडिया पर यह चर्चा थी कि उन्हें ललित मोदी ने फेरारी कार गिफ्ट की थी। हालांकि, युवराज ने इस पर सच्चाई बताते हुए कहा कि उन्हें फेरारी नहीं बल्कि बीएमडब्ल्यू एम5 कार मिली थी। उन्होंने बताया कि शुरूआत में फेरारी और फिर पोर्श911 का वादा किया गया था, लेकिन अंत में उन्हें बीएमडब्ल्यू एम5 दी गई। युवराज ने यह भी कहा कि ललित मोदी ने अपना वादा निभाया।

इस सीजन अब तक 18 गेंदबाजों का सामना कर चुके वैभव सूर्यवंशी

इनमें से 10 की पहली बॉल पर लगाई बाउंड्री

गुवाहाटी। वैभव सूर्यवंशी आईपीएल 2026 में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुके हैं। उन्होंने अब तक 18 गेंदबाजों का सामना किया है, जिनमें से 10 के खिलाफ पहली ही गेंद पर बाउंड्री जड़ दी। चार मैचों में 200 रन, 266.67 का स्ट्राइक रेट और ऑरेंज कैप के साथ वैभव का दबदबा साफ नजर आ रहा है। खास बात यह है कि अब तक कोई भी गेंदबाज उन्हें बोल्ड नहीं कर सका है, जो उनकी तकनीक और आत्मविश्वास दोनों को दशार्ता है।

आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी का बल्ला जमकर बोल रहा है। उन्होंने अब तक इस सीजन खेली गई चार पारियों में चौके-छक्कों की बरसात कर दी है। वह चार मैचों में 200 रन के साथ फिलहाल ऑरेंज कैप की रेस में सबसे ऊपर हैं। इस दौरान उनका औसत 50 का और स्ट्राइक रेट 266.67 का रहा है। इस सीजन वह अब तक संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा दो अर्धशतक लगा चुके हैं। हालांकि, फैंस में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की रहती है कि वह पहली गेंद पर क्या करेंगे। हर गेंदबाज के लिए इस सीजन उन्हें पहली गेंद डालना परेशानी का काम रहा है, क्योंकि वह किसी को रहम नहीं करते हैं। अगर गेंद उनके पाले में गिरी तो सीधे बाउंड्री के पार जाती है। इस सीजन अब तक

वह 18 गेंदबाजों का सामना कर चुके हैं और इनमें से 10 गेंदबाजों के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर बाउंड्री लगाई है।

1. पहले मैच में राजस्थान का सामना चेन्नई सुपर किंग्स से हुआ था। इस मैच में वैभव ने मैट हेनरी, खलील अहमद, अंशुल कंबोज और नूर अहमद का सामना किया। मैट हेनरी के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाया था।

2. दूसरे मैच में राजस्थान का सामना गुजरात टाइटंस से हुआ। इस मुकाबले में वैभव का पाला सिराज, कगिसो रबाडा, अशोक शर्मा और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों से पड़ा। हालांकि, इसमें भी वैभव अव्वल साबित हुए।

सिराज के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने चौका लगाया और फैंस का दिल जीत लिया।

3. तीसरे मैच में राजस्थान का सामना पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस से हुआ। 11-11 ओवर के इस मैच में वैभव ने यशस्वी के साथ मिलकर चौथी गीयर में बल्लेबाजी की। इस मैच में वैभव ने बुमराह, बोल्ट, हार्दिक और शार्दुल जैसे अनुभवी तेज गेंदबाजों का सामना किया और सुपरहिट रहे।

जसप्रीत बुमराह के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने लॉन्ग ऑन के ऊपर से छक्का लगाया। सब हैरान रह गए थे। इसके बाद ट्रेंट बोल्ट का भी स्वागत वैभव ने छक्के के साथ किया। बोल्ट के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने बैकवर्ड स्क्वायर लेग के ऊपर से छक्का लगाया।

हार्दिक पांड्या के खिलाफ अपनी पहली गेंद पर वैभव ने एक रन लिया।

वहीं, पिछले सीजन के बाद इस सीजन भी वैभव ने शार्दुल को नहीं बख्शा। उनके खिलाफ अपनी पहली गेंद पर छह रन बटोरे। पिछले सीजन शार्दुल लखनऊ की टीम में थे।

4. चौथे मैच में राजस्थान रॉयल्स का सामना डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ। इस मैच में वैभव की टक्कर भुवनेश्वर कुमार, जोश हेजलवुड जैसे गेंदबाजों से हुई, लेकिन 15 साल का यह बल्लेबाज बिल्कुल नहीं डरा।

'10-20 रन और बन सकते थे'

प्रेजेंटर ने आउट होने के बाद निराशा दिखाने को लेकर जब वैभव से सवाल पूछा, तो इसके जवाब में 15 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, 'सर, अगर मैं विकेट पर टिका रहता, तो 10-20 रन और बन सकते थे।' वैभव ने कहा, 'अगर हम लक्ष्य का पीछा कर रहे हैं, तो मैच दो ओवर पहले खत्म कर सकते थे, या अगर हम लक्ष्य सेट कर रहे हैं, तो 10-20 रन और जोड़े जा सकते थे। यह सब सोचकर इसलिए मुझे अफसोस होता है कि अगर मैं एक ढीला शॉट खेलकर आउट हो जाता हूं, तो टीम को नुकसान होता है। इसी वजह से थोड़ा दुख होता है कि मैं और देर तक खेल सकता था।'

हैदराबाद ने आईपीएल का तीसरा सर्वोच्च पावरप्ले स्कोर बनाया, तीसरी बार पहले छह ओवर में बनाए 100+ रन

मुल्लांपुर। अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने शानदार बल्लेबाजी की जिससे सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पावरप्ले का तीसरा सर्वोच्च स्कोर बनाया। इन दोनों ने पंजाब के खिलाफ दमदार बल्लेबाजी की।

सनराइजर्स हैदराबाद ने पंजाब किंग्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने इस मुकाबले में टीम को तूफानी शुरूआत दिलाई और वैसा ही खेल दिखाया जैसा अब तक उनके प्रशंसक इस जोड़ी से उम्मीद कर रहे थे। अभिषेक और हेड के दम पर ही सनराइजर्स हैदराबाद ने पावरप्ले में 100 रनों का आंकड़ा पार कर लिया।

शुरूआती छह ओवर में सनराइजर्स का दिखा दम

पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक और हेड ने सनराइजर्स को दमदार शुरूआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले ही ओवर से पंजाब के गेंदबाजों पर प्रहार शुरू कर दिए। इस दौरान हेड से ज्यादा अभिषेक आक्रामक अंदाज में खेलते नजर आए। अभिषेक ने 18 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। इसके बाद हेड ने भी हाथ खोले और जैवियर बार्टलेट को निशाने पर लिया। सनराइजर्स हैदराबाद ने पावरप्ले में बिना किसी नुकसान के 105 रन बनाए। यह आईपीएल में पावरप्ले का तीसरा सर्वोच्च है।

सनराइजर्स ने हासिल किया नया मुकाम

आईपीएल में पावरप्ले का सर्वोच्च स्कोर बनाने का रिकॉर्ड सनराइजर्स हैदराबाद के नाम ही है। सनराइजर्स ने 2024 में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 125 रन बनाए थे। वहीं, 2024 में ही टीम ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ बिना किसी नुकसान के 107 रन बनाए थे। अब टीम ने एक बार फिर पावरप्ले में 100+ रनों का स्कोर बनाया है। पुरुष टी20 में सबसे ज्यादा बार पावरप्ले में 100+ स्कोर बनाने वाली सनराइजर्स पहली टीम है। सनराइजर्स तीन बार ऐसा कर चुकी है।

दिग्गजों की सूची में शामिल हुए अभिषेक: अभिषेक ने पंजाब के खिलाफ पावरप्ले में सात छक्के लगाए। वह आईपीएल की एक पारी में शुरूआती छह ओवर में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हो गए हैं। अभिषेक से पहले सनथ जयसूर्या ने 2008 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सात छक्के लगाए थे। इन दोनों के अलावा जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो भी आईपीएल की एक पारी में पावरप्ले के दौरान सात छक्के लगा चुके हैं।

शशांक सिंह ने अभिषेक-हेड की साझेदारी तोड़ी: पावरप्ले समाप्त होने के बाद श्रेयस अय्यर ने शशांक सिंह को गेंद सौंपी। शशांक ने एक ही ओवर में अभिषेक और हेड दोनों को आउट कर सनराइजर्स की रन गति पर लगाम लगाई। शशांक ने पहले हेड को आउट किया जो 23 गेंदों पर पांच चौकों और एक छक्के की मदद से 38 रन बनाकर आउट हुए।

'प्रिय वैभव' किंग कोहली भी हुए 15 साल के वैभव सूर्यवंशी के मुरीद, लिखा खास नोट

गुवाहाटी। वैभव सूर्यवंशी ने अपने शानदार प्रदर्शन से न सिर्फ मैच जिताया, बल्कि विराट कोहली का दिल भी जीत लिया। कोहली के 'डियर वैभव' वाले खास संदेश ने इस युवा खिलाड़ी के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी, जबकि उनकी बल्लेबाजी ने राजस्थान को लगातार चौथी जीत दिलाई।

आईपीएल 2026 में उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी को अब दिग्गज विराट कोहली की भी तारीफ मिल गई है। मैच के बाद वैभव ने कोहली से ऑटोग्राफ लिया, लेकिन 'किंग' ने सिर्फ साइन नहीं किया, बल्कि एक खास मैसेज भी लिखा, जिसने इस युवा खिलाड़ी के सफर को और खास बना दिया। कोहली ने अपने मैसेज में लिखा, 'डियर वैभव, बहुत अच्छा खेला।' यह छोटा सा संदेश, लेकिन क्रिकेट के सबसे बड़े नामों में से एक की तरफ से मिलने वाली यह सराहना किसी भी खिलाड़ी के लिए बड़ी उपलब्धि है।

15 साल के खिलाड़ी ने बदला मैच का रुख: जब राजस्थान रॉयल्स 202 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी, तो मुकाबला आसान नहीं लग रहा था। लेकिन वैभव ने पावरप्ले में ही मैच का रुख बदल दिया। उन्होंने अनुभवी गेंदबाजों जैसे भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड के खिलाफ बिना किसी डर के आक्रामक बल्लेबाजी की। उनकी बल्लेबाजी ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के गेंदबाजों को पूरी तरह दबाव में ला दिया।

फिल्मी है वैभव की कहानी

वैभव का सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं लग रहा। उनकी बल्लेबाजी में वह आत्मविश्वास दिख रहा है, जो आमतौर पर अनुभवी खिलाड़ियों में देखने को मिलता है। 15 साल की उम्र में जिस तरह से वह बड़े-बड़े गेंदबाजों पर हावी हो रहे हैं।

रवि बिश्नोई ने कोहली को किया क्लीन बोल्ड, वैभव की तारीफ की

गुवाहाटी। रवि बिश्नोई ने विराट कोहली को क्लीन बोल्ड किया। इसी के साथ उनके नाम खास रिकॉर्ड जुड़ गया। बिश्नोई ने अपनी गेंदबाजी में सुधार पर भी बातचीत की। साथ ही वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है।

राजस्थान रॉयल्स ने आईपीएल 2026 के 16वें मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से शिकस्त दी। इस मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए आठ विकेट पर 201 रन बनाए। हालांकि, आरआर ने इस लक्ष्य को 18 ओवर में ही चेज कर लिया। मैच में राजस्थान के स्पिनर रवि बिश्नोई ने कुछ ऐसा किया, जिसे तीन साल में बड़े-बड़े गेंदबाज नहीं कर पाए। उन्होंने आरसीबी के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को क्लीन बोल्ड किया। कोहली बिश्नोई की गुगली को नहीं पढ़ सके और गेंद बैट और पैड के बीच से निकलकर स्टंप पर जा लगी।

1089 दिन बाद क्लीन बोल्ड

यह आईपीएल 1089 दिन में पहली बार था, जब कोहली आईपीएल में क्लीन बोल्ड हुए थे। 2023 में सीएसके से खेल रहे आकाश ने कोहली को तब क्लीन बोल्ड किया था। उसके बाद अब जाकर इस लीग में कोहली क्लीन बोल्ड हुए और रवि बिश्नोई ने यह कमाल किया।

वैभव ने खेली तूफानी पारी

इस मैच में वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी (26 गेंदों पर 78 रन) से दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। मैच के बाद रवि बिश्नोई ने कहा कि हम शुक्रगुजार हैं कि वैभव सूर्यवंशी हमारी टीम में है। जियोहॉटस्टार के 'गूगल सर्च एआई मोड मैच सेंटर लाइव' पर बात करते हुए रवि बिश्नोई और जियोस्टार एक्सपर्ट हरभजन सिंह ने टीम के माहौल, इस साल टीम में आए बदलाव और वैभव सूर्यवंशी के फॉर्म पर बातचीत की।

'एक-दूसरे को अच्छी तरह समझ रहे'

रवि बिश्नोई ने कहा, 'हम सच में बहुत खुश हैं क्योंकि हमने चार में से चार मैच जीते हैं और टेबल-टॉपर हैं। उम्मीद है, हम जैसा क्रिकेट खेल रहे हैं, वैसा ही खेलते रहेंगे। हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और एक टीम के तौर पर अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। ऐसा नहीं है कि एक या दो खिलाड़ी अच्छा परफॉर्म कर रहे हैं। हमें बल्ले से जैसी शुरूआत मिल रही है, हम मैच जल्दी खत्म करते रहेंगे। जीतने से हमेशा टीम के माहौल में फर्क पड़ता है। यह बहुत पॉजिटिव रहता है। हममें से ज्यादातर लोग एक ही एज ग्रुप के हैं, इसलिए हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं, और मुझे लगता है कि इससे इस टीम में बहुत बड़ा फर्क आ रहा है।'

'शुक्रगुजार हूं वैभव हमारी टीम में है'

वैभव सूर्यवंशी के नेट्स अभ्यास पर उन्होंने कहा, 'वह नेट्स में हम में से हर एक को टारगेट करता है। मैं ड्रेसिंग रूम में कहता रहता हूं कि मैं सच में शुक्रगुजार हूं कि वह हमारी टीम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मुझे नेट्स में हिट किया जाए। जब उसने क्रुणाल भाई की पहली बॉल पर सिंगल लिया, तो हम सबको यकीन नहीं हुआ क्योंकि आमतौर पर वह पहली बॉल से ही लेफ्ट-आर्म स्पिनर्स पर अटैक करता है। लेकिन शानदार, जिस तरह से वह इस समय बल्लेबाजी कर रहा है, वह किसी से कम नहीं है।'

कोरिया में भी आईपीएल की धूम! आरसीबी-कोहली की जर्सी पाते ही खुशी से झूमी एक फैन, भावुक होकर कही यह बात

सियोल। आरसीबी जर्सी मिलने पर एक कोरियाई महिला फैन का रिएक्शन सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उनकी खुशी और टीम के प्रति प्यार ने दिखाया कि आरसीबी सिर्फ एक टीम नहीं, बल्कि दुनिया भर के फैंस के लिए एक इमोशन है।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की फैन फॉलोइंग सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि दुनिया भर में फैली हुई है। इसका ताजा उदाहरण एक कोरियाई महिला फैन का वीडियो है, जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। मिशेल नाम की इस फैन ने जैसे ही अपनी आरसीबी जर्सी अनबॉक्स की, उनकी खुशी देखने लायक थी। वीडियो में उनका एक्साइटमेंट पहले ही फ्रेम से साफ नजर आता है।

अनबॉक्सिंग का हर पल बना खास

वीडियो में मिशेल पैकेज खोलने से पहले ही मुस्कुराती नजर आती हैं। जैसे ही उन्होंने बॉक्स खोला, सबसे पहले कुछ स्टिकर्स निकाले और उन्हें देखकर खुशी जाहिर की। लेकिन असली पल तब आया जब उन्होंने जर्सी को बाहर निकाला।

जर्सी हाथ में लेते ही वह हंसने लगीं, उसे गले से लगाया और फिर पहनकर अपनी खुशी जाहिर की। जर्सी पर 18 नंबर लिखा था, जो कि विराट कोहली का जर्सी नंबर है।

'लेट मिली जर्सी, लेकिन प्यार नहीं'

मिशेल ने वीडियो के कैप्शन में अपनी भावनाएं भी शेयर कीं। उन्होंने लिखा, 'मैं एक कोरियन फ्लइ फैन हूं। मुझे जर्सी भले ही देर से मिली हो, लेकिन टीम के लिए मेरा प्यार कभी देर से नहीं आया।' उनका यह मैसेज फैंस के दिल को छू गया।

फैंस बोले- आरसीबी एक इमोशन है

वीडियो पर फैंस ने भी जमकर रिएक्शन दिए। एक यूजर ने लिखा, 'किसी को इन्हें आरसीबी का मैच देखने के लिए टिकट देना चाहिए।' वहीं, एक अन्य फैन ने कहा, 'आरसीबी सिर्फ एक फ्रेंचाइजी नहीं है, यह एक इमोशन है।' इस वीडियो ने एक बार फिर साबित कर दिया कि आरसीबी की फैन फॉलोइंग कितनी गहरी और भावनात्मक है।

दुनिया भर में आरसीबी का जलवा

यह वीडियो सिर्फ एक फैन की खुशी नहीं, बल्कि आरसीबी के ग्लोबल क्रेज को भी दिखाता है। अलग-अलग देशों के लोग इस टीम से जुड़ाव महसूस करते हैं, जो इसे खास बनाता है।

वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी पारी खेलकर लगाई रिकॉर्ड्स की झड़ी, आरसीबी को सातवीं बार होना पड़ा मायूस

गुवाहाटी। वैभव सूर्यवंशी ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से मैच में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी और राजस्थान रॉयल्स को शानदार जीत दिलाई। उनकी आक्रामक पारी के सामने आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए, जिसके चलते टीम को हार का सामना करना पड़ा। वैभव की यह पारी न सिर्फ मैच का टर्निंग पॉइंट बनी, बल्कि उन्हें लीग का सबसे चर्चित युवा खिलाड़ी भी बना रही है।

आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को हरा दिया। 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। उन्होंने अपनी ताबड़तोड़ पारी में कई बड़े रिकॉर्ड्स अपने नाम किए। इसके अलावा रवींद्र जडेजा के नाम भी एक खास रिकॉर्ड जुड़ गया है।

वहीं, आरसीबी की टीम एक अनचाहे रिकॉर्ड की लिस्ट में शामिल हो गई है।

आरसीबी से मिले 202 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल 13 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने मोर्चा संभाला और उन्होंने सिर्फ 26 गेंदों का सामना करते हुए 78 रनों की धमाकेदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने आठ चौके और सात छक्के लगाए। आरआर ने 18 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। वैभव ने अपना अर्धशतक सिर्फ 15 गेंदों में पूरा किया। वह आईपीएल में संयुक्त रूप से तीसरे सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वैभव ने इस सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ भी 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

वैभव ने आईपीएल में तीसरी बार 20 से कम गेंदों में अर्धशतक लगायाा। उन्होंने इस मामले में ट्रेविस हेड की बराबरी की। हेड ने भी 20 से कम गेंदें खेलते हुए तीन बार अर्धशतक लगाया है। इस लिस्ट में टॉप पर निकोलस पूरन और अभिषेक शर्मा का नाम है, जो यह कारनामा चार बार कर चुके हैं।

गाजियाबाद आसपास

पार्षद राधेश्याम त्यागी ने कराया माता का जागरण
कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने की आरती

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम मकनपुर वार्ड 57 में माता रानी का विशाल जागरण श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। वार्ड 57 के क्षेत्रीय पार्षद राधेश्याम त्यागी द्वारा आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने शिरकत की।

भजनों की गंगा में झूमे श्रद्धालु

कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा और पार्षद राधेश्याम त्यागी द्वारा माता रानी की ज्योति प्रज्वलित कर और आरती उतारकर किया गया। देर रात तक चले इस जागरण में विख्यात भजन गायकों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दीं।

जय माता दी के जयकारों और भक्तिमय भजनों पर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध होकर झूमते नजर आए।

भक्ति और शक्ति का संगम

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने माता रानी से प्रदेश की खुशहाली और उन्नति की कामना की। पार्षद राधेश्याम त्यागी ने आए हुए सभी अतिथियों और क्षेत्रीय जनता का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि वार्ड की सुख-शांति के लिए हर वर्ष इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। भक्तों के लिए भंडारे का भी आयोजन किया गया, जो देर रात तक चलता रहा।

लापरवाही और खराब व्यवहार पर एसआई समेत तीन लाइन हाजिर

हापुड़। हापुड़ जिले के गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली में तैनात एक उपनिरीक्षक और दो सिपाहियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें लाइन हाजिर कर दिया गया है। शनिवार को एसपी ज्ञानेंद्र सिंह की इस कार्रवाई से हड़कम मच गया है। कर्मचारियों में अनुशासन को लेकर गंभीरता बढ़ गई है। एसपी ज्ञानजंय सिंह ने बताया कि उपनिरीक्षक चिंकू सैनी, सिपाही अंकित और पंकज पर अपने कर्तव्यों के प्रति लापरवाही बरतने और आम जनता के साथ उचित व्यवहार न करने के आरोप थे। लगातार मिल रही शिकायतों के आधार पर मामले की जांच कराई गई, जिसमें प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए। इसके बाद एसपी ने तत्काल प्रभाव से तीनों को लाइन हाजिर करने का आदेश जारी कर दिया। एसपी ज्ञानेंद्र सिंह ने स्पष्ट संदेश दिया है कि विभाग में अनुशासनहीनता और जनता के प्रति असम्मानजनक व्यवहार किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों का मुख्य दायित्व जनता की सेवा और सुरक्षा है, और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं है।

राजनीति के साथ खेल के मैदान में भी अजय प्रमुख का जलवा, नेशनल मास्टर गेम्स में जीते दो पदक

गाजियाबाद, करंट क्राइम। दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित नेशनल मास्टर गेम्स 2026 में उत्तर प्रदेश के कद्दावर खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता अजय प्रमुख ने अपनी रफ्तार का लोहा मनवाते हुए दोहरे पदक अपने नाम किए हैं। एडवेंचर और मास्टर स्पोर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित नेशनल एथलेटिक चैंपियनशिप में अजय प्रमुख ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रदेश की झोली में दो कांस्य पदक डाले। प्रतियोगिता के दौरान अजय प्रमुख ने एथलेटिक्स की सबसे चुनौतीपूर्ण स्पधाओं में हिस्सा लिया। उन्होंने अपनी फिटनेस का परिचय देते हुए निम्नलिखित समय के साथ जीत दर्ज की: 100 मीटर दौड़: मात्र 14 सेकंड में पूरी कर कांस्य पदक जीता। 200 मीटर दौड़: 34 सेकंड के शानदार समय के साथ दूसरा कांस्य पदक हासिल किया।

अजय प्रमुख का व्यक्तित्व बहुमुखी है। वे न केवल खेल के मैदान पर सक्रिय हैं, बल्कि सार्वजनिक जीवन और खेल प्रशासन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उनकी उपलब्धियों का ट्रैक रिकॉर्ड अत्यंत प्रभावशाली है: वर्तमान में वे शूटिंग बॉल फेडरेशन उत्तर प्रदेश के चेयरमैन और गाजियाबाद डिस्ट्रिक्ट मास्टर एथलीट एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने पदक जीता हो; इससे पहले भी वे कई स्टेट और नेशनल मेडल जीत चुके हैं और एशियाड में भी देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं।

राजनीति और सामाजिक कार्यों की व्यस्तताओं के बीच खुद को फिट रखना और राष्ट्रीय स्तर पर मेडल जीतना युवाओं और मास्टर एथलीटों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना हुआ है।

अजय प्रमुख की इस दोहरी सफलता पर खेल जगत और राजनीतिक गलियारों में खुशी की लहर है। उनकी इस उपलब्धि को उत्तर प्रदेश के खेल गौरव के रूप में देखा जा रहा है। स्थानीय खेल प्रेमियों और गाजियाबाद डिस्ट्रिक्ट मास्टर एथलीट एसोसिएशन के सदस्यों ने उन्हें इस ऐतिहासिक जीत के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी हैं।

अजय प्रमुख ने कहा, खेल हमें हर परिस्थिति में संघर्ष करना सिखाते हैं। मेरा लक्ष्य हमेशा उत्तर प्रदेश के मान को बढ़ाना रहा है।

ए.बी.ई.एस. कॉलेज का 18 वां दीक्षांत समारोह आयोजित

➡1600 विद्यार्थियों को डिग्री, 60 लाख का मिला रिकॉर्ड पैकेज

गाजियाबाद, करंट क्राइम। ए.बी.ई.एस. इंजीनियरिंग कॉलेज में शनिवार को 18वां डिग्री वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ए.के.टी.यू. के कुलपति प्रो. जे.पी. पांडेय और विशिष्ट अतिथि एडोबी के डायरेक्टर सौरभ अग्रवाल ने विद्यार्थियों को डिग्रियां और पदक प्रदान किए।

सत्र 2024-25 में 426 कंपनियों ने 1875 जॉब ऑफर दिए, जिसमें सर्वाधिक पैकेज 60 लाख रुपये वार्षिक रहा। कुल 1600 से अधिक विद्यार्थियों को डिग्रियां दी गईं, जिनमें बी.टेक, एम.टेक, एम.बी.ए. और एम.सी.ए. के छात्र शामिल रहे। कॉलेज के निदेशक डॉ. आलोक चौहान ने बताया कि संस्थान ने तकनीकी शिक्षा में अपने 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब इसे स्वायत्त संस्थान का दर्जा भी प्राप्त हो गया है। समारोह में मेधावी छात्रों को पदक देने के साथ-साथ 'पथ प्रदर्शक' पुरस्कार भी दिए गए। 60 लाख का पैकेज पाने वाली छात्रा ईशिका सिंह की माता सुश्री संयोगिता सिंह और शिक्षक श्री अंशुमन सिंह को उनके मार्गदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रो. पांडेय ने युवाओं से नौकरी पाने के साथ-साथ स्टार्टअप के जरिए देश को आत्मनिर्भर बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कॉलेज चेयरमैन नीरज गोयल सहित अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद नगर निगम ने वापस ली हाउस टैक्स वृद्धि
लोकतंत्र और जन-एकता की जीत : विपिन गोयल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। नगर निगम द्वारा प्रस्तावित हाउस टैक्स वृद्धि के विरोध में चल रहा व्यापारियों और जनता का संघर्ष आखिरकार रंग लाया। शुक्रवार को नगर निगम द्वारा आयोजित एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रशासन ने बढ़े हुए हाउस टैक्स को वापस लेने की आधिकारिक घोषणा कर दी। इस निर्णय के बाद शहर के व्यापारियों और आम नागरिकों में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

इस सफलता पर खुशी व्यक्त करते हुए युवा उद्योग व्यापार मंडल (गाजियाबाद) के महानगर अध्यक्ष विपिन गोयल ने इसे लोकतंत्र और जन-एकता की जीत बताया। उन्होंने कहा कि यह आंदोलन केवल टैक्स के वित्तीय बोझ के खिलाफ नहीं था, बल्कि यह आम जनता और व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा की लड़ाई थी। संजय नगर सेक्टर 23 और राज नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल रहे विपिन गोयल ने प्रेस को संबोधित करते हुए कहा: मैं उन सभी व्यापारी भाइयों, संगठन के पदाधिकारियों और जागरूक नागरिकों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सड़कों पर उतरकर इस गलत निर्णय का विरोध किया। यह जीत साबित करती है कि जब समाज का हर वर्ग एकजुट होकर खड़ा होता है, तो प्रशासन को जनहित में अपने फैसले बदलने ही पड़ते हैं। व्यापारी नेताओं ने स्पष्ट किया कि संगठन भविष्य में भी शहर के विकास और व्यापारियों की समस्याओं को लेकर सजग रहेगा। नगर निगम के इस फैसले को शहर की अर्थव्यवस्था और मध्यम वर्ग के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। इस अवसर पर विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर इस 'विजय दिवस' का जश्न मनाया और भविष्य में भी इसी तरह एकजुट रहने का संकल्प लिया।

सेवा भारती महानगर गाजियाबाद द्वारा शुरू किया गया बाल संस्कार केंद्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राजनगर एक्सटेंशन स्थित मजदूर झुग्गी बस्ती में सेवा भारती महानगर गाजियाबाद द्वारा बाल संस्कार केंद्र की शुरूआत की गई। इस बस्ती में करीब 20 से 25 बच्चे रहते हैं जो लगातार स्थान परिवर्तन के कारण स्कूल नहीं जाते हैं तो बस्ती में बच्चों के लिए बेसिक शिक्षा ओर खेल कूद व कला की कक्षा लगातार चलाई जाएगी। जिसका संचालन प्रतिभा शर्मा द्वारा किया जाएगा। सभी बच्चों को किताबे व पाठ्य सामग्री भी वितरित की गई। इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता, सेवा भारती विधालय की प्रधानाचार्य सीमा भसीन, एक्टिव ग्रीन संस्था की अध्यक्ष निधि विश्वकर्मा, ज्योति बंसल, उपस्थित थे।

जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र, अंबेडकर रोड गाजियाबाद में निरीक्षण एवं विचार-विमर्श कार्यक्रम सम्पन्न

गाजियाबाद, करंट क्राइम। जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय युवा केंद्र, अंबेडकर रोड पर आज एक महत्वपूर्ण निरीक्षण एवं समीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सीडीओ श्री अभिनव गोपाल द्वारा केंद्र का विस्तृत सर्वे एवं निरीक्षण किया गया।

संस्था के अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार मित्तल ह्लमेदी वालेह्व के नेतृत्व में यह निरीक्षण संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संस्था के महामंत्री श्री वीरू बाबा, उपाध्यक्ष श्री संजीव मित्तल एवं श्री रविंद्र मित्तल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान केंद्र में संचालित फिजियोथेरेपी सेंटर का भी अवलोकन किया गया, जिसकी व्यवस्था का निरीक्षण श्री विकास मित्तल द्वारा कराया गया। ग्राउंड की व्यवस्थाओं का संचालन ग्राउंड इंचार्ज श्री मोहित मित्तल द्वारा किया गया।

सीडीओ श्री अभिनव गोपाल ने केंद्र की व्यवस्थाओं, साफ-सफाई एवं संचालन प्रणाली को संतोषजनक बताया। निरीक्षण के दौरान केंद्र में चल रही गतिविधियों एवं प्रबंधन व्यवस्था को देखकर उन्होंने संतुष्टि व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान भविष्य में युवाओं के लिए कुछ नए खेलों को शामिल करने पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस विषय पर सभी पदाधिकारियों के साथ विस्तृत चर्चा हुई और केंद्र के समग्र विकास हेतु कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। इसके अतिरिक्त, बैठक के दौरान एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर भी चर्चा की गई कि भविष्य में यदि माननीय मुख्यमंत्री जी का गाजियाबाद आगमन होता है, तो केंद्र के इस विकसित मैदान को अस्थायी हेलीपैड के रूप में उपयोग किया जा सकता है। इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सभी उपस्थित सदस्यों ने केंद्र को और अधिक सशक्त एवं उपयोगी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

राष्ट्रीय व्यापार मंडल ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राष्ट्रीय व्यापार मंडल द्वारा रामनगर गजप्रस्थ में आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में जनसैलाब उमड़ पड़ा। 'रक्तदान महादान' के संकल्प के साथ आयोजित इस शिविर का नेतृत्व जिला अध्यक्ष बालकिशन गुप्ता ने किया।

शिविर में 150 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, जिसमें से 54 उत्साहियों ने रक्तदान किया। आयोजन में मुख्य अतिथि बालकिशन गुप्ता और राष्ट्रीय महामंत्री विवेक त्यागी ने रक्तदान को मानवता की सबसे बड़ी सेवा बताया।

वहीं, नामित पार्षद प्रदीप चौधरी ने युवाओं से नियमित रक्तदान की अपील की। शिविर के संयोजक राजेश वर्मा ने 38वीं बार और प्रमोद गुप्ता ने 35वीं बार रक्तदान कर समाज के सामने एक अनूठी मिसाल पेश की। एमएमजी अस्पताल की ब्लड बैंक टीम के सहयोग से संपन्न हुए इस कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष वरुण नागर, पार्षद नीरज गोयल और पंडित अशोक भारतीय सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मैराथन मीटिंग ने ढीले किए प्रभारियों के पेंच

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम की मीटिंग के मैटर दूर तक पहुंचते हैं। तो अब बताया जा रहा है कि बीती कुछ मीटिंग लंबी तो चली ही है लेकिन अब मैराथन चलने की जानकारी बैठक होने के बाद बाहर निकल कर आ रही है। पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से शुक्रवार वाली रात की मीगिंट की डिटेल मिली है कि इस मीटिंग से एक एसीपी साहब दूर रहे हैं। बताया जा रहा है कि उनके सर्किल वाला मामला ज्यादा ही हाइलाइट और टफ हो गया है, इसीलिए उन्हें मीटिंग से रेस्ट देकर बेस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। उनकी शुक्रवार को कई खास ऑफिस पर अलर्टनेस देखी भी गई थी। उधर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम के सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से मीटिंग हुई है, वह लगभग रात को 10 :00 बजे के आसपास शुरू हुई और घड़ी में लगभग 1 :30 बजते बजते ही समाप्ति वाले सीन पर आकर खत्म हुई है। अब अंदर वालों ने बाहर बताया है कि यह वाली मीटिंग इतनी लंबी चली की इसमें जहां कई थाना प्रभारी बैठे-बैठे बोर हो उठे थे। तो कई की लंबी टाइमिंग ने उनके ही पेंच ढीले कर दिए थे। उधर पुलिस के लोकल सूत्रों ने बताया है कि ऑपरेशन प्रहार का यहां पर भी प्रहार देखने को मिला है। अब सूत्र बता रहे हैं कि जिस तरीके से पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वरिष्ठ अधिकारियों ने थोड़ी डोज दी है। तो नंबर दो की पोजीशन वालों ने दिशा निर्देश भी दिए हैं। इसका आने वाले दिनों में अमल होना है, अब बताया जा रहा है कि 14 अप्रैल को लेकर खास तैयारी है। डीजे वालों से लेकर बैंड वालों पर थाने वाले प्रभारी नजर रखेंगे। तो वहीं कोई गलत संदेश और कोई हंगामा बवाल ना हो, इसका भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। बताया जा रहा है कि बीते दिनों ट्रेफिक को लेकर जो प्लान और आदेश दिए गए हैं, जल्द ही रोड से लेकर रीयल वाला इसका टेस्ट होने वाला बताया जा रहा है। वहीं इन सबके बीच मिनी और लार्ज लिस्ट का वेट भी जमकर हो रहा है। वहीं एक एडीसीपी के और आउट होने की चर्चा है। तो कुल मिलाकर जिस तरीके से लेट नाइट वाली मीटिंग का मैटर देर तक चला है, उसके बाद कुछ और मैटर आने वाले दिनों में बाहर आ सकता है।

आईएमएस गाजियाबाद में 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2026' का सफल आयोजन

350 से अधिक प्रतिभागियों ने दिखाया दम

गाजियाबाद, करंट क्राइम। आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस) के एंटरप्रेन्योरशिप सेल (ई-सेल) और गाजियाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन द्वारा 'स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2026' का भव्य आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम 'इंनोवेट, इम्प्लीमेंट, इन्फ्लुएंस' रखी गई थी, जिसमें उत्तर प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, बिहार और हरियाणा सहित कई राज्यों के 350 से अधिक छात्र-छात्राओं और उभरते उद्यमियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. प्रभात रंजन, मनीष गुप्ता, अशोक अग्रवाल और संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर द्वारा दीप प्रज्वलन और ई-सेल की वार्षिक स्मारिका के विमोचन के साथ हुआ। कॉन्क्लेव में मुख्य रूप से चार गतिविधियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं: बिजनेस आइडियाज की प्रस्तुति। पंजीकृत स्टार्टअप्स का प्रदर्शन। वर्चुअल ट्रेडिंग और व्यावसायिक रणनीति गेम। समस्याओं के समाधान पर चर्चा। विशेषज्ञों के पैनल डिस्कशन में स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत करने पर बल दिया गया। संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने युवाओं को 'जॉब सीकर' के बजाय 'जॉब क्रिएटर' बनने के लिए प्रोत्साहित किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि राहुल अग्रवाल ने विजेताओं को नकद पुरस्कार और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरभि जौहरी द्वारा किया गया।

आरकेजीआईटी में 'सृजन 2026' का आयोजन

70 से अधिक टीमों ने दिखाया तकनीकी कौशल

गाजियाबाद, करंट क्राइम। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की एईसीई सोसायटी द्वारा प्रोजेक्ट एग्जीबिशन 'सृजन 2026' का भव्य आयोजन किया गया। संस्थान के ग्रुप एडवाइजर श्री लक्ष्मण प्रसाद और डायरेक्टर डॉ. बी.सी. शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में कॉलेज के विभिन्न विभागों की 70 से अधिक टीमों ने हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर श्रेणियों में अपने नवाचारी प्रोजेक्ट्स का प्रदर्शन किया। एसटी माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और सैप्रो इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों से आए विशेषज्ञों ने निर्णायक की भूमिका निभाई। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार के साथ नकद राशि प्रदान की गई। पाँच सांत्वना पुरस्कार दिए गए और सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र बांटे गए। डॉ. बी.सी. शर्मा और विभागाध्यक्ष डॉ. आर. के. यादव ने कहा कि इस आयोजन का लक्ष्य छात्रों को किताबी ज्ञान से आगे बढ़ाकर व्यावहारिक नवाचार के लिए प्रेरित करना है। संस्थान के वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम को सफल बनाने में समन्वयक विवेक सिंह, दीपक कुमार और समस्त शिक्षकगण का विशेष योगदान रहा।

पोस्ट ऑफ द डे
प्रस्तुति करंट क्राइम

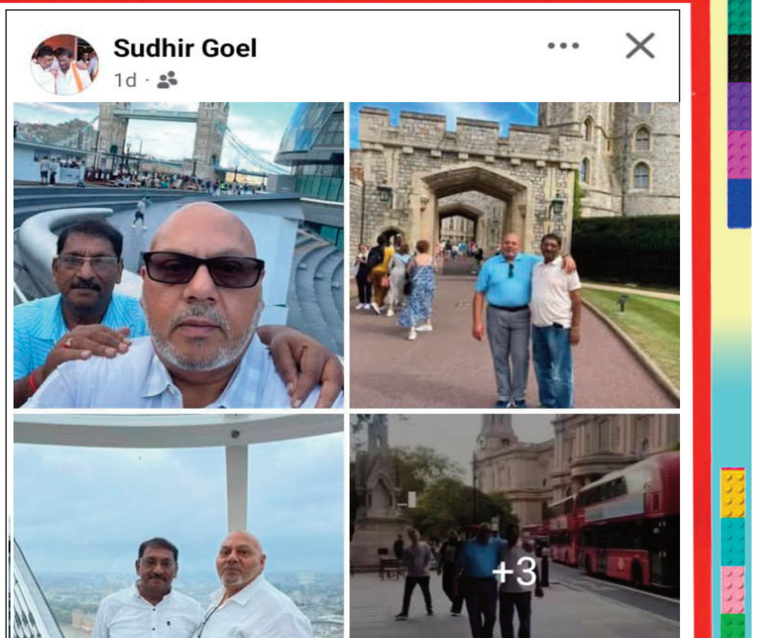

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मित्रता का ये संबंध लाईफ टाईम है। तीन दशक पार हो गये और सात समुन्दर पार गये दोस्त को आज भी एक दोस्त याद करता है। कोई सात समुन्दर पार दोस्त से मिलने के लिए जाता है। ये कहानी अनाज मंडी के महामंत्री और रामलीला कमेटी के कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल मोनू और अमेरिका में रहने वाले विपुल शर्मा की है। विपुल शर्मा अमेरिका में डाक्टर हैं और वहीं पर रहते हैं। 33 वर्ष पहले विपुल पहले अमेरिका गये थे। 33 वर्षों के इस समय चक्र को याद करते हुए सुधीर गोयल मोनू ने तस्वीरों के साथ इन यादों को साझा किया। मित्रता का सबसे मजबूत संदेश देती ये पोस्ट बनी हैं करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

आर्टेमिस-II की वापसी के दौरान बढ़ गई थीं नासा की धड़कनें, गर्मी बढ़ने और रफ्तार से हो सकता था ब्लास्ट

वाशिंगटन। नासा का आर्टेमिस-2 मिशन सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। 10 दिन की ऐतिहासिक चंद्र यात्रा के बाद चारों अंतरिक्ष यात्री शनिवार तड़के प्रशांत महासागर में सुरक्षित लैंडिंग के साथ पृथ्वी पर लौट आए। यह मिशन कई मायनों में ऐतिहासिक रहा और भविष्य में चंद्रमा पर स्थायी मानव उपस्थिति की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। री-एंट्री के दौरान कुछ मिनटों के संचार ब्लैकआउट ने तनाव जरूर बढ़ाया, लेकिन जैसे ही मिशन कमांडर रीड वाइसमैन की आवाज 'ह्यूस्टन, हम आपको साफ सुन पा रहे हैं' सुनाई दी, कंट्रोल रूम में राहत की लहर दौड़ गई।

इस मिशन में तीन अमेरिकी और एक कनाडाई अंतरिक्ष यात्री क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, जेरेमी हैनसन और रीड वाइसमैन शामिल थे। यह पिछले पांच दशकों में पहली बार था

जब इंसानों ने चंद्रमा के पास जाकर फ्लाईबाय किया।

री-एंट्री सबसे बड़ा खतरा

मिशन का सबसे जोखिम भरा चरण पृथ्वी के वायुमंडल में वापसी रहा। अंतरिक्ष यान करीब 40,000 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 2,760 डिग्री सेल्सियस तापमान झेलते हुए लौटा। यह ध्वनि की गति से लगभग 30 गुना तेज और सूर्य की सतह के तापमान का लगभग आधा था। इस दौरान ओरियन कैप्सूल लाल-गर्म प्लाज्मा से घिर गया और करीब छह मिनट तक संपर्क टूट गया। सफलतापूर्वक पैराशूट खुलने और सुरक्षित लैंडिंग के बाद मिशन कंट्रोल में तालियां गूंज उठीं।

2022 के आर्टेमिस-कमिशन में हीट शील्ड के क्षरण को लेकर चिंता जताई गई थी। इस बार जोखिम को कम करने के लिए री-एंट्री का मार्ग छोटा और अधिक तीव्र रखा गया, जिससे मिशन की सुरक्षा और सफलता सुनिश्चित की जा सकी।

यह मिशन विविधता के लिहाज से भी खास रहा। क्रिस्टीना कोच पहली महिला बनीं, विक्टर ग्लोवर पहले अश्वेत अंतरिक्ष यात्री और जेरेमी हैनसन चंद्र मिशन पर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी बने। यह अपोलो युग के एकरूप दलों से बिल्कुल अलग तस्वीर पेश करता है।

आर्टेमिस-II के अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी से अब तक की सबसे अधिक दूरी तय की। वे अपोलो-13 के रिकॉर्ड से करीब 6,400 किलोमीटर आगे, कुल 4,06,771 किलोमीटर दूर तक पहुंचे।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों ने हजारों तस्वीरें लीं, जिनमें अर्थसेट नामक तस्वीर खास रही, जिसमें चंद्रमा की सतह के पीछे उगती पृथ्वी दिखाई देती है। उन्होंने उल्का पिंडों की चमक, अंतरिक्ष से सूर्य ग्रहण और चंद्रमा के दूर वाले हिस्से (फार साइड) को भी देखा, जिसे अब तक केवल रोबोटिक मिशन ही देख पाए थे। मिशन के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब अंतरिक्ष यात्रियों ने चंद्रमा के दो क्रेटरों का नाम अपने यान और वाइसमैन की दिवंगत पत्नी के नाम पर रखने की अनुमति मांगी।

मिशन के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के लिए 189 प्रकार के भोजन विकल्प उपलब्ध थे, जिनमें कॉफी, स्मूदी, टॉर्टिला, पास्ता, कुकीज और चॉकलेट शामिल थे। इन्हें पोषण और ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था।

यह मिशन एसएलएस रॉकेट और ओरियन यान की पहली मानवयुक्त उड़ान था। इसमें जीवन-समर्थन, नेविगेशन, प्रोपल्शन और आपातकालीन प्रणालियों का सफल परीक्षण किया गया। हालांकि, मिशन के दौरान शौचालय में खराबी और पानी व ईंधन प्रणाली में कुछ तकनीकी समस्याएं भी सामने आईं।

आगे की राह

नासा के मुताबिक, यह मिशन चंद्रमा पर इंसानों की वापसी की दिशा में अहम कदम है। अगले मिशन आर्टेमिस-क्क्क में अंतरिक्ष यात्री चंद्र लैंडर के साथ डॉकिंग का अभ्यास करेंगे, जबकि 2028 में आर्टेमिस-क्ष्ट के तहत चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंडिंग की योजना है। नासा ने कहा हम फिर से इंसानों को चंद्रमा पर भेजने और सुरक्षित वापस लाने के मिशन में लौट आए हैं, यह तो बस शुरूआत है।

अमीर और गरीब देशों के बीच की खाई हुई और गहरी, यूएन की रिपोर्ट में खुलासा

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था को लेकर गंभीर चेतावनी दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार अमीर और गरीब देशों के बीच असमानता तेजी से बढ़ रही है और इसके पीछे तीन बड़े कारण सामने आए हैं घटती आर्थिक मदद, बढ़ते टैरिफ और वैश्विक तनाव।

रिपोर्ट बताती है कि 2025 में 25 देशों ने गरीब देशों को दी जाने वाली सहायता में कटौती की, जिससे कुल मदद में 23 फीसदी की गिरावट आई। यह अब तक की सबसे बड़ी कमी है। सबसे ज्यादा असर अमेरिका की ओर से मदद घटने का रहा, जिससे कमजोर अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा दबाव बढ़ा।

दूसरी बड़ी वजह बढ़ते टैरिफ हैं। गरीब देशों पर औसत टैरिफ नौ फीसदी से बढ़कर 28 फीसदी तक पहुंच गया है, जबकि अन्य विकासशील देशों के लिए यह 19 फीसदी तक हो गया।

इससे उनका निर्यात प्रभावित हुआ और आर्थिक रफ्तार धीमी पड़ गई। इसके अलावा, ईरान से जुड़े तनाव सहित बढ़ते वैश्विक संघर्षों ने हालात और खराब किए हैं। आईएमएफ प्रमुख क्रिस्टलीना जार्जीएवा ने भी माना है कि वैश्विक विकास की उम्मीदें कमजोर हुई हैं। रिपोर्ट साफ कहती है कि अगर जल्द सुधार नहीं हुए तो 2030 तक विकास लक्ष्य हासिल करना मुश्किल हो जाएगा।

पाक की दगाबाजी: यूएस से अरबों लेने के बाद सऊदी को दिया धोखा, मुश्किल घड़ी में पीठ में छुरा घोंपा; क्या है मामला?

वाशिंगटन। अपनी गिरती अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए दुनिया भर में कटोरा लेकर घूमने वाले पाकिस्तान का असली चेहरा एक बार फिर बेनकाब हो गया है। दशकों तक 'इस्लामी भाईचारे' की दुहाई देकर सऊदी अरब के खजाने का फायदा उठाने वाले पाकिस्तान ने अब जरूरत पड़ने पर अपने सबसे बड़े मददगार को ही ठेंगा दिखा दिया है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ हुए द्विपक्षीय रक्षा समझौते (एसएमडीए) को केवल कागज का टुकड़ा बना कर रख दिया है।

ईरानी हमलों के बीच सऊदी को छोड़ दिया अकेला

'अफगान डायस्पोरा नेटवर्क' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जब सऊदी अरब पर ईरानी हमलों का खतरा मंडरा रहा था, तब पाकिस्तान ने मदद के नाम पर केवल खोखली बयानबाजी की। पाकिस्तानी उपप्रधानमंत्री इशाक डार ने 3 मार्च को संसद में दावा किया था कि उन्होंने ईरान को सऊदी के साथ हुए 'रणनीतिक रक्षा समझौते' की याद दिलाई है। लेकिन हकीकत यह है कि जब जमीन पर सैन्य कार्रवाई की बात आई, तो पाकिस्तान पीछे हट गया। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि सऊदी अरब ने उम्मीद की थी कि पाकिस्तान अपनी वायु सेना, लड़ाकू विमान और मिसाइल इंटरसेप्टर बैटरी तैनात करेगा, लेकिन मदद भेजने के बजाय मध्यस्थता का नाटक शुरू कर दिया।

रिपोर्ट के मुताबिक, 12 मार्च को सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर को जेद्दा बुलाया था। वहां सऊदी अरब ने सीधे तौर पर रक्षा समझौते (एसएमडीए) का हवाला देते हुए सैन्य सक्रियता की मांग की। लेकिन पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ सीमा विवाद का बहाना बनाकर हाथ खड़े कर दिए। हैरानी की बात यह है कि अफगानिस्तान के साथ संघर्ष खुद पाकिस्तान ने शुरू किया था, जिसे अब वह सऊदी अरब की मदद न करने के बहाने के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। क्राउन प्रिंस इस दगाबाजी से बेहद नाराज बताए जा रहे हैं।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने किसी देश के साथ 'डबल गेम' खेला हो। रिपोर्ट में कुछ अहम उदाहरण दिए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आतंक के खिलाफ जंग के नाम पर अमेरिका से अरबों डॉलर मांगे, लेकिन बदले में उन्हीं आतंकियों को पनाह दी जिनसे अमेरिका लड़ रहा था। इतना ही नहीं, चीन से सीपीईसी के नाम पर भारी निवेश लिया, लेकिन आज वहां चीनी नागरिकों और प्रोजेक्ट्स को सुरक्षा देने में भी नाकाम है। इसके अलावा, जब सऊदी ने यमन में हूतियों के खिलाफ मदद मांगी थी, तब भी पाकिस्तान की संसद ने वोट देकर सऊदी को बीच मझधार में छोड़ दिया था। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आज जब सऊदी अरब पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए अरबों डॉलर अपने बैंक में जमा रखता है और लाखों पाकिस्तानी श्रमिकों को रोजगार देता है, तब पाकिस्तान का यह रवैया एक विश्वासघात से कम नहीं है।

मॉरीशस: 'हिंद महासागर के देशों को मजबूत करना होगा सहयोग', होर्मुज संकट के बीच जयशंकर का संदेश

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को नौवें हिंद महासागर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर क्षेत्र में सहयोग, संपर्क और वैश्विक चुनौतियों पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीन रामगुलाम और इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष राम माधव भी मौजूद थे।

जयशंकर ने क्या मुख्य बातें कहीं?

अपने संबोधन में विदेश मंत्री ने कहा, हिंद महासागर केवल एक ढांचा नहीं, बल्कि पूरा पारिस्थितिकीतंत्र है। यह संसाधन, संपर्क और साझा संस्कृति का स्रोत है। उन्होंने कहा, किी भी वैश्विक संकट का असर इसके सदस्य देशों पर गहराई से पड़ता है।

उन्होंने आगे कहा, क्षेत्रीय सहयोग

को मजबूत करना, आर्थिक संबंधों को गहरा करना, संपर्क को दोबारा स्थापित करना और परंपराओं को पुनर्जीवित करना जरूरी है। जयशंकर ने कहा, भौतिक, वित्तीय, तकनीकी, संसाधन और ज्ञान से जुड़े अवरोधों को दूर करना जरूरी है, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था बेहतर हो सके।

- भौतिक, वित्तीय, तकनीकी, संसाधन और ज्ञान से जुड़े अवरोधों को दूर करना जरूरी है, ताकि वैश्विक अर्थव्यवस्था बेहतर हो सके।

उन्होंने यह भी कहा, वैश्विक दक्षिण के महासागर के सदस्य होने के नाते हमें संघर्ष, संकट और आपदाओं से मिलकर निपटना चाहिए। भारत की 'पड़ोसी पहले' नीति और 'दृष्टिकोण महासागर' इसी विचार को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा, एक बिखरी हुई दुनिया में मानसून की भावना हमें साथ मिलकर काम करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता की शुभकामनाएं दीं।

'ईरानी ड्रोन गिराने में यूक्रेन ने की मदद' जेलेंस्की ने पहली बार स्वीकारा; रूस पर भी बोले

यूक्रेन। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि ईरान युद्ध के दौरान यूक्रेनी सेना ने पश्चिम एशिया के कई देशों में ईरानी डिजाइन वाले शाहेद ड्रोन को मार गिराया। उन्होंने कहा, ये अभियान एक व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत यूक्रेन अपने सहयोगी देशों को उन हथियारों से निपटने में मदद कर रहा है जिनका इस्तेमाल रूस उसके खिलाफ कर रहा है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने इन अभियानों की पहली बार सार्वजनिक रूप से पुष्टि की, जिसे शुक्रवार तक सार्वजनिक नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, यूक्रेनी बलों ने देश में विकसित और युद्ध में परखे गए इंटरसेप्टर ड्रोन का उपयोग करते हुए विदेशों में सक्रिय अभियानों में भाग लिया। ये इंटरसेप्टर ड्रोन यूक्रेन में रूस द्वारा इस्तेमाल ईरान-निर्मित ड्रोन का मुकाबला करने में

कारगर साबित हुए हैं।

यूक्रेन से हट सकता है पश्चिमी देशों का सैन्य समर्थन

यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब इस बात की चिंता बनी हुई है कि पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण यूक्रेन से पश्चिमी देशों का सैन्य समर्थन हट सकता है। हालांकि जेलेंस्की ने कहा, सहयोगी देश पैट्रियट मिसाइल प्रणालियों के लिए मिसाइलों की आपूर्ति जारी रखे हुए हैं। वह बोले, हाल ही में मिसाइलों का एक नया जत्था आ चुका है। लेकिन यह भी सच है कि यूक्रेन पर मौजूदा हालात का दबाव बढ़ेगा।

पुतिन ने ईस्टर पर यूक्रेन में भी युद्धविराम की घोषणा की

उधर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में ऑर्थोडॉक्स ईस्टर के दौरान सप्ताहांत 32 घंटे के युद्धविराम की घोषणा की है। इससे पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की ने इस मौके पर शत्रुता रोकने का आह्वान किया था। क्रेमलिन द्वारा जारी पुतिन के आदेश में रूसी सेनाओं को शनिवार शाम चार बजे (स्थानीय समयानुसार) से रविवार शाम तक युद्धविराम का पालन करने का आदेश दिया गया है। उसने कहा, उम्मीद है कि यूक्रेन भी इसका अनुसरण करेगा।

खून से सने बैग-जूते, मिनाब स्कूल में मारे गए बच्चों की तस्वीरें प्लेन में लेकर इस्लामाबाद पहुंचा ईरानी प्रतिनिधिमंडल

ईरान। गालिबाफ ने इस्लामाबाद पहुंचने के बाद एक्स पर एक फोटो शेयर की। इसमें विमान की सीटों पर चार बच्चों की तस्वीरें रखी हैं, जिनके साथ उनके खून से सने स्कूल बैग और जूते रखे हैं और फूल भी रखा है। ईरानी शहर मिनाब में जंग के पहले ही दिन 28 फरवरी को एक प्राइमरी स्कूल पर हमला हुआ था, जिसमें 168 लोगों की मौत हुई थी। इनमें बच्चे और स्कूल का स्टाफ भी शामिल था। इस हमले का आरोप अमेरिका और इजराइल पर लगाया गया था। अमेरिका ने कहा कि वे इस हमले की जांच कर रहे हैं। बाद में ईरान ने अमेरिकी नौसेना के दो कर्मियों यूएसएस स्प्राउंस के कमांडर ली आर. टेट और कार्यकारी अधिकारी जेफरी ई. यॉर्क - की तस्वीरें भी जारी कीं, जिनके बारे में उसका दावा था कि उन्होंने हमले को अधिकृत किया था।

ईरान ने इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया है, जिसने अमेरिका से अपनी जांच पूरी करने और हमले के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई करके पीड़ितों को न्याय दिलाने का आग्रह किया है।

पाकिस्तान में हो रही अमेरिका-ईरान वार्ता में ईरानी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व गालिबफ कर रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में विदेश मंत्री अब्बास अराकची, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के पूर्व कमांडर मोहम्मद बगेर जोलगद्र, सेंट्रल बैंक के गवर्नर अब्दोलनासेराती और अन्य अधिकारी शामिल हैं। दुनिया वार्ता के नतीजों का इंतजार कर रही है, वहीं ईरान ने संकेत दिया है कि वह वार्ता को लेकर सतर्क है और कहा है कि अमेरिका के साथ बातचीत में उसे केवल टूटे वादे ही मिले हैं। इस्लामाबाद पहुंचने के बाद ईरानी संसद अध्यक्ष ने कहा कि हमारी मंशा अच्छी है, लेकिन हमें भरोसा नहीं है... अमेरिकियों के साथ बातचीत का हमारा अनुभव हमेशा असफलता और टूटे वादों से भरा रहा है। ईरान लेबनान में युद्धविराम चाहता है और युद्धविराम समझौते के तहत अपनी संपत्तियों को मुक्त कराना चाहता है। ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसकी मांगें पूरी नहीं हुईं तो वह समझौते से पीछे हट सकता है। हालांकि, अमेरिका ने ईरान से कहा है कि वह उसके साथ 'खेल' न खेले और मध्य पूर्व के इस देश पर नए हमले करने की धमकी दी है।

दुनिया को चुकानी होगी भारी कीमत, शांति वार्ता से पहले ईरान ने क्या चेतावनी दे दी

ईरान। ईरान मध्य पूर्व में युद्धविराम के लिए महत्वपूर्ण बिंदुओं में से एक, होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने में असमर्थ रहा है, क्योंकि वह जलमार्ग में बिछाई गई सभी बारूदी सुरंगों का पता लगाने में असमर्थ है और उन्हें हटाने की क्षमता भी उसके पास नहीं है। यह घटनाक्रम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की उस चेतावनी के बाद सामने आया है कि अमेरिका ईरान के समर्थन के साथ या उसके बिना होर्मुज को खोल देगा। सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या सहित युद्ध की शुरूआत के बाद, ईरान ने छोटी नावों का उपयोग करके होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाई थीं। ड्रोन और मिसाइलों के खतरे के साथ-साथ, होर्मुज में बारूदी सुरंगें बिछाने से जलमार्ग से गुजरने वाले जहाजों की संख्या कम हो गई, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है।

अधिकारियों के हवाले से

एनवाईटी ने कहा कि ईरान ने बारूदी सुरंगें 'अव्यवस्थित' तरीके से बिछाई और यह स्पष्ट नहीं है कि उसने उनके स्थान का रिकॉर्ड रखा था या नहीं। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि बारूदी सुरंगों की स्थिति दर्ज भी की गई थी, तो वे बहकर या स्थानांतरित हो सकती थीं। अधिकारियों ने बताया कि जमीनी खदानों की तुलना में समुद्री खदानों को हटाना अधिक कठिन है और यहां तक कि अमेरिकी सेना के पास भी मजबूत खदान हटाने की क्षमता नहीं है।

भारत-अमेरिका वायुसेना प्रमुखों की अहम बैठक, इंडो-पैसिफिक में सहयोग और सुरक्षा पर जोर

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक रक्षा साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। दोनों देशों के वायुसेना प्रमुखों के बीच हुई उच्चस्तरीय बैठक में इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सहयोग, प्रशिक्षण और सुरक्षा को लेकर व्यापक चर्चा हुई।

कौन-कौन रहे शामिल?

अमेरिकी वायुसेना प्रमुख केनेथ विल्सबैक ने भारतीय वायुसेना प्रमुखअमर प्रीत सिंह की मेजबानी की। यह आधिकारिक दौरा 8 अप्रैल को हुआ, जिसमें उन्हें जॉइंट बेस एनाकोस्टिया-बोलिंग पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद उन्होंने पेंटागन में उच्चस्तरीय बैठकों में हिस्सा लिया, जहां अमेरिकी वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारियों और ट्रॉय मींक से भी मुलाकात हुई।

'फ्री, ओपन और प्रॉस्परस' इंडो-पैसिफिक पर जोर

अमेरिकी वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने भारत के साथ अपनी रक्षा साझेदारी को वाशिंगटन द्वारा दी जाने वाली महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस साझेदारी को इंडो-पैसिफिक

क्षेत्र को 'स्वतंत्र, खुला, शांतिपूर्ण और समृद्ध' बनाए रखने के लिए केंद्रीय बताया। जनरल विल्सबैक ने समान विचारधारा वाले सहयोगियों के साथ बहुपक्षीय अभ्यासों में भारत के नेतृत्व और भागीदारी की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे सहयोग को बढ़ाना क्षेत्रीय निवारण को मजबूत करने की कुंजी होगी।

जनरल विल्सबैक ने कहा एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के इस महत्वपूर्ण समकक्ष दौरे की मेजबानी करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। पेंटागन में उनके पूरे दिन के दौरान, हमने आधुनिकीकरण के प्रयासों, भविष्य के प्रशिक्षण के अवसरों और एक स्वतंत्र, खुले और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता पर गहन चर्चा की। बैठक में भारत द्वारा MQ-9B स्काई गार्जियन विमान की खरीद पर भी चर्चा हुई। अमेरिकी वायु सेना ने इस बात पर जोर दिया कि वे भारतीय सशस्त्र बलों को इस प्लेटफॉर्म को 'निर्बाध और प्रभावी ढंग से तैनात' करने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वाशिंगटन के अलावा, एयर चीफ मार्शल सिंह ने कोलोराडो में पीटरसन स्पेस फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्हें उत्तरी अमेरिका के लिए एयरोस्पेस और समुद्री चेतावनी सहित नॉर्थ अमेरिकन एयरोस्पेस डिफेंस कमांड मिशन के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने नेवादा में नेलिस एयर फोर्स बेस का भी दौरा किया, जहां उन्होंने अमेरिकी वायु सेना युद्ध केंद्र में ब्रीफिंग में भाग लिया और ईगल लड़ाकू विमान में एक परिचय उड़ान भरी।

कुवैत बेस हमले में बचे सैनिकों ने खोली सैन्य दावों की पोल

कुवैत। मध्य-पूर्व में जारी संघर्ष के बीच अमेरिकी सेना और पेंटागन के दावों पर गंभीर सवालिया निशान लग गए हैं। 1 मार्च को कुवैत के शुएबा बंदरगाह पर हुए ईरानी ड्रोन हमले में बाल-बाल बचे अमेरिकी सैनिकों ने पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आकर अपनी सरकार के दावों को झूठ करार दिया है।

इजरायल और अमेरिका के एक संयुक्त हमले में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के जवाब में - जिससे आखिरकार मध्य पूर्व में संघर्ष शुरू हुआ - ईरान ने इस इलाके में मौजूद सभी अमेरिकी ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इसमें कुवैत का शुएबा बंदरगाह भी शामिल था, जिस पर 1 मार्च को हमला किया गया था। इस हमले में अमेरिकी सेना के रिजर्व के छह सदस्य मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। यह इस संघर्ष में अमेरिका को हुआ पहला नुकसान था। अमेरिकी युद्ध सचिव पीट हेगसेथ ने कहा था कि यह हमला एक ईरानी ₹स्क्वर्टर₹ ड्रोन का इस्तेमाल करके किया गया था। उन्होंने यह भी दावा किया था कि यह ड्रोन उस मजबूती से किलेबंद बेस पर लगे हवाई सुरक्षा सिस्टम को चकमा देने में कामयाब रहा था। लेकिन हमले में बच

निकले लोगों ने, अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति में, पेंटागन द्वारा बताई गई घटनाओं की जानकारी को गलत बताया और कहा कि उनकी यूनिट - 103वीं सस्टेनमेंट कमांड - तैयार नहीं थी।

एक घायल सैनिक ने कहा कि यूनिट अपनी खुद की सुरक्षा करने के लिए तैयार नहीं थी। उसने यह भी बताया कि वह बेस कोई किलेबंद जगह नहीं थी। नाम न बताने की शर्त पर उस सैनिक ने कहा, यह दिखाना कि 'एक ड्रोन किसी तरह बचकर अंदर घुस आया' - यह बात बिल्कुल गलत है। अमेरिकी सैनिकों ने दावा किया कि उनकी यूनिट को ईरानी मिसाइलों और ड्रोनों की मारक सीमा के और करीब ले जाया गया था। उन्होंने बताया कि सुबह मिसाइल हमले की चेतावनियाँ मिलने के बाद उनकी यूनिट ने सुरक्षित जगहों पर पनाह ले ली थी, लेकिन ड्रोन हमले से ठीक पहले खतरा टल जाने का संकेत दे दिया गया था। एक सैनिक ने बताया कि इसके तीस मिनट बाद ड्रोन हमला हुआ और सब कुछ जोर से हिल गया।

उस सैनिक ने कहा, यह कुछ-कुछ वैसा ही था जैसा आप फिल्मों में देखते हैं। आपके कानों में जोर की गूंज होती है। सब कुछ धुंधला सा लगता है। आपकी नजर धुंधली हो जाती है। आपको चक्कर आने लगते हैं। हर तरफ धूल और धुआँ ही धुआँ होता है। उसने आगे कहा, सिर में चोटें, बहुत ज्यादा खून बहना, कई लोगों के कान के पर्दे फट जाना, और हर तरफ बम के टुकड़े (छर्रे) बिखरे होना - लोग अपने पेट, हाथों और पैरों से खून से लथपथ थे। अमेरिकी सैनिकों को 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' शुरू होने से ठीक एक हफ़्ता पहले ही जॉर्डन और सऊदी अरब में तैनात होने के निर्देश दे दिए गए थे। उन्हें ईरानी ड्रोन और मिसाइलों की रेंज से दूर रहने की सलाह दी गई थी, लेकिन 103वीं सस्टेनमेंट कमांड के कई सैनिकों को छोटे शुएबा बंदरगाह के मिलिट्री आउटपोस्ट पर जाने का निर्देश दिया गया।

सैनिकों ने इसे एक क्लासिक, पुराना मिलिट्री बेस बताया, जहाँ छोटे-छोटे बैरियर थे और कामचलाऊ दफ़्तरों के लिए टीन की छोटी-छोटी इमारतें थीं। उन्होंने कहा कि यह बेस एक जाना-पहचाना निशाना था और वे सीधे खड़े ब्लास्ट बैरिकेड्स की एक पतली-सी लाइन के अलावा किसी और चीज से सुरक्षित नहीं थे।

एक सैनिक ने बताया हम ईरान के और करीब चले गए, एक बेहद असुरक्षित इलाके में, जो एक जाना-पहचाना निशाना था। मुझे नहीं लगता कि इसके पीछे कभी कोई ठोस वजह बताई गई।

नई दिल्ली | दैनिक करंट क्राइम
08 | रविवार • 12 अप्रैल -2026

गाजियाबाद नगर निगम
Ghaziabad Nagar Nigam
(ISO 9001, 14001 व 18001 प्रमाणित संस्था)
गाजियाबाद विकास प्राधिकरण
GHAZIABAD DEVELOPMENT AUTHORITY

विश्व होम्योपैथी दिवस: गाजियाबाद में जुटे दिग्गज चिकित्सक, 'जड़ से रोग मिटाने' का लिया संकल्प

गाजियाबाद, करंट क्राइम। विश्व होम्योपैथी दिवस के अवसर पर 'गाजियाबाद होम्योपैथिक फिजिशियन मेडिकल एसोसिएशन' द्वारा कविनगर स्थित चौधरी भवन में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनीमैन को याद करते हुए होम्योपैथी की वर्तमान उपयोगिता और भविष्य की चुनौतियों पर गहन मंथन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे डिस्ट्रिक्ट होम्योपैथिक मेडिकल ऑफिसर डॉ. पंकज त्यागी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। संस्था ने चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा देने वाले वरिष्ठ डॉक्टरों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया। सम्मानित होने वालों में मुख्य रूप से : डॉ. मंजू सिंह और डॉ. शिव ओम मिश्रा को उनकी दीर्घकालीन सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। वर्ष भर चले एजुकेशन सेमिनार्स में व्याख्यान देने वाले सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। संस्था के वरिष्ठ चिकित्सक स्व. डॉ. आदर्श टंडन के परिवार को विशेष रूप से सम्मानित कर उनकी स्मृतियों को नमन किया गया। संस्था की सचिव डॉ. तमन्ना ने वार्षिक रिपोर्ट पेश की और संस्था के आय-व्यय का पूर्ण ब्योरा साझा किया। संस्था के अध्यक्ष डॉ. अनिल शर्मा ने सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने वरिष्ठ डॉक्टरों से विशेष आग्रह किया कि वे युवा और नए डॉक्टरों का मार्ग दर्शन करें। इस अवसर पर शहर के सैकड़ों प्रतिष्ठित होम्योपैथिक चिकित्सक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट सख्त: गाजियाबाद दुष्कर्म हत्या केस में पुलिस आयुक्त तलब

गाजियाबाद करंट क्राइम। सुप्रीम कोर्ट ने गाजियाबाद में चार साल की मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले की जांच में गंभीर लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया है। अदालत ने उत्तर प्रदेश पुलिस को फटकार लगाते हुए गाजियाबाद के पुलिस आयुक्त, जांच अधिकारी और नंदग्राम थाना प्रभारी को 13 अप्रैल को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के आदेश दिए हैं। साथ ही राज्य सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जॉयमाल्य बागची और विपुल एम. पंचोली शामिल हैं, ने कहा कि मामले की जांच जिस तरीके से की गई, वह हैरान करने वाली है। कोर्ट ने संकेत दिया कि इस प्रकरण की जांच अदालत की निगरानी में विशेष जांच दल या किसी केंद्रीय एजेंसी से कराई जा सकती है।

सुनवाई के दौरान यह भी सामने आया कि घटना के एक दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई और शुरूआत में पॉक्सो एक्ट के तहत धाराएं नहीं जोड़ी गईं। अदालत ने पुलिस की एनकाउंटर कहानी पर भी सवाल उठाए और हिरासत में आरोपी के पास हथियार होने पर संदेह जताया।

पीठ ने दो निजी अस्पतालों द्वारा बच्ची का इलाज करने से इनकार को भी संवेदनहीन करार दिया। कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए कि पीड़ित परिवार की पहचान गोपनीय रखी जाए और उन्हें किसी प्रकार से प्रताड़ित न किया जाए।

गौरतलब है कि 16 मार्च 2026 को नंदग्राम क्षेत्र में आरोपी बच्ची को बहला-फुसलाकर ले गया और वारदात को अंजाम दिया। बाद में इलाज के दौरान बच्ची की मौत हो गई। अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए समयबद्ध और निष्पक्ष जांच के संकेत दिए हैं।

भोपुरा में भीषण अग्निकांड टला

दमकल की 5 गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद करंट क्राइम। गाजियाबाद के भोपुरा इलाके में शनिवार को एक बड़ा अग्नि हादसा होते-होते टल गया। कबाड़ के गोदाम में लगी आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया, जिससे आसपास के मकानों पर खतरा मंडराने लगा। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और कुल पांच फायर टेंडरों की मदद से आग पर काबू पाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल रही थी। वहीं गोदाम में मौजूद कूड़ा, कबाड़ और अन्य ज्वलनशील पदार्थों ने आग को और भड़काने का काम किया, जिससे लपटें दूर तक पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर चारों तरफ से आग को घेरते हुए कड़ी मशक्कत के बाद उसे बुझाया। उनकी तत्परता के चलते आसपास के रिहायशी इलाकों को सुरक्षित बचा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

क्लीनिक में चोरी करने घुसा चोर फंसा

दीवार और शटर के बीच अटका सिर

पुलिस और दमकल ने रेस्क्यू कर सुरक्षित निकाला

गाजियाबाद, करंट क्राइम। इंदिरापुरम क्षेत्र में शनिवार को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई, जहां चोरी के इरादे से क्लीनिक में घुसा युवक खुद ही फंस गया। दीवार और शटर के बीच सिर और आधा शरीर फंस जाने से वह काफी देर तक लटका रहा। मिली जानकारी के अनुसार, युवक छत के रास्ते क्लीनिक में घुसने की कोशिश कर रहा था।

इसी दौरान नीचे उतरते वक्त उसका सिर शटर और कंक्रीट की दीवार के बीच फंस गया और वह निकल नहीं सका। काफी देर तक फंसे रहने के बाद आसपास के लोगों की नजर उस पर पड़ी, जिसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद शटर को काटकर युवक को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

राहत की बात यह रही कि घटना में युवक को गंभीर चोट नहीं आई। रेस्क्यू के बाद पुलिस ने युवक को प्राथमिक उपचार दिलाया और हिरासत में ले लिया। प्रारंभिक जांच में युवक की पहचान अभिषेक (निवासी बिहार) के रूप में हुई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

गंदे नाले में गिरी गाय का रेस्क्यू

स्थानीय लोगों की सूझबूझ से बची जान

गाजियाबाद, करंट क्राइम। शनिवार को घंटाघर कोतवाली क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक गाय गंदे नाले में गिर गई। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के स्थानीय लोग मौके पर जुट गए और तुरंत रेस्क्यू अभियान शुरू किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, नाले के पास से गुजरते समय गाय अचानक फिसलकर गहरे और गंदे नाले में जा गिरी। नाले की गहराई और गंदगी के कारण गाय को बाहर निकालना आसान नहीं था। ऐसे में स्थानीय लोगों ने हिम्मत दिखाते हुए रस्सियों, डंडों और अन्य साधनों की मदद से उसे निकालने का प्रयास शुरू किया। करीब काफी देर तक चली कड़ी मशक्कत के बाद लोगों ने मिलकर गाय को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस दौरान मौके पर मौजूद लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए बिना किसी सरकारी मदद के सफल रेस्क्यू कर दिखाया। पूर्व पार्षद जाकिर सैफी ने बताया कि इस नाले में पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। खासकर रात के समय अंधेरे के कारण कई लोग और जानवर इसमें गिर चुके हैं। उन्होंने नगर निगम और प्रशासन से मांग की है कि इस खतरनाक नाले के किनारे सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, जैसे रेलिंग, कवर या पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए, तो आगे भी इस तरह के हादसे होते रहेंगे। यह घटना प्रशासन के लिए एक चेतावनी है कि वह क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीरता दिखाए।

अभिषेक गर्ग ने नवनियुक्त वार्ड अध्यक्ष को सौंपा नियुक्ति पत्र

गाजियाबाद, करंट क्राइम। समाजवादी पार्टी के जिला एवं महानगर कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश सचिव अभिषेक गर्ग ने नवनियुक्त वार्ड अध्यक्ष को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। कार्यक्रम में अभिषेक गर्ग मुख्य केंद्र में रहे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती वार्ड स्तर से ही शुरू होती है और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही पार्टी की असली ताकत है। उन्होंने नव-नियुक्त पदाधिकारियों से जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष शाहनवाज खान एवं नसीम खान भी उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक मजबूती लाने पर जोर दिया। कार्यक्रम में मौजूद कार्यकर्ताओं ने पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

वसुंधरा में 'वार्ड चलो, बस्ती चलो' अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर और सम्मान समारोह का आयोजन

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा के स्थापना दिवस के अवसर पर वार्ड चलो बस्ती चलो संपर्क अभियान के तहत वसुंधरा मंडल के वार्ड 61 में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। क्षेत्रीय पार्षद शिल्पा चौधरी के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व महापौर आशु वर्मा ने उपस्थित रहे।

अभियान के दौरान मुख्य अतिथि और कार्यकर्ताओं ने वार्ड में जनसंपर्क कर केंद्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की पुस्तिकाएं वितरित कीं। इस अवसर पर स्वच्छता अभियान भी चलाया गया, जिसके माध्यम से स्थानीय निवासियों को सफाई के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही, आयोजित गोष्ठी में समाज के वरिष्ठ जनों और स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मियों को सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य शिविर में बीपी, शुगर, डेंटल, नेत्र रोग, फिजियोथेरेपी और डाइटिशियन जैसे विशेषज्ञ डॉक्टर उपस्थित रहे। शिविर में लगभग 150 लोगों ने अपनी सेहत की जांच कराई और परामर्श प्राप्त किया।

पूर्व महापौर आशु वर्मा के कहां कि भाजपा का ध्येय अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की सेवा करना है। इस अवसर पर मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष विनीत त्यागी, पूर्व पार्षद महेंद्र चौधरी एवं महानगर मंत्री आशीष चौधरी सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

इंदिरापुरम में भाजपा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ, कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भारतीय जनता पार्टी के इंदिरापुरम मंडल अध्यक्ष मंजुला गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एवं उत्तर प्रदेश श्रम प्रकोष्ठ के सह-संयोजक योगेश त्रिपाठी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर महापौर सुनीता दयाल, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल और पूर्व महामंत्री राजेश त्यागी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण सत्र को संबोधित करते हुए योगेश त्रिपाठी ने भाजपा की विचारधारा और कार्य विस्तार पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार परिवार है। संगठन की मजबूती ही हमारी असली शक्ति है। हमें केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाना है और पार्टी के आधार को और अधिक व्यापक बनाना है।

महापौर सुनीता दयाल ने नगर विकास और स्थानीय स्तर पर कार्यकताओं की भूमिका की सराहना की। वहीं, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने आगामी संगठनात्मक लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। पूर्व महामंत्री राजेश त्यागी ने अनुशासन और समर्पण के महत्व पर जोर देते हुए कार्यकताओं का उत्साहवर्धन किया।

शिविर के दौरान विभिन्न सत्रों में पार्टी के इतिहास, सिद्धांतों और सोशल मीडिया के प्रभावी उपयोग जैसे विषयों पर भी चर्चा की गई। इस अवसर पर महानगर कोषाध्यक्ष नवनीत मित्तल मंडल प्रभारी कामेश्वर त्यागी महामंत्री देवाशीष दत्त पार्षदों में धीरज अग्रवाल प्रीति जैन डॉक्टर अनिल तोमर हरीश कडकोटी अनुज त्यागी पूर्व पार्षद अभिनव जैन महामंत्री देवाशीष दत्त जय श्री सिंह सुषमा गंगवार धीरज शर्मा सुनीता नागपाल मास्टर सुनील शर्मा सलेक त्यागी संजीव शर्मा नूपुर अग्रवाल नेहा जैन विमला रावत पुष्प लता सक्सेना कविता शर्मा नवीन शर्मा पिंटू तोमर अजय गुप्ता आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।